राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 02 अगस्त 2022 वर्ष–5,अंक–187 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने कामनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने पर अचिंता शुली को दी बधाई, कहा- उम्मीद है, अब वे एक फिल्म देख सकेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारोत्तोलक अचिंता शुली को राष्ट्रमंडल खेलों 2022 में पुरुषों के 73 किलोग्राम फाइनल में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने सोमवार को ट्वीट कर कहा, 'खुशी है कि प्रतिभाशाली अचिंता शुली ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। वह अपने शांत स्वभाव और तप के लिए जाने जाते हैं। इस खास उपलब्धि के लिए उन्होंने काफी मेहनत की है। भविष्य के प्रयासों के लिए उन्हें मेरी शुभकामनाएं।'

पीएम मोदी ने शेयर किया बातचीत का वीडियो-पीएम मोदी ने ट्विटर पर CWG 2022 के लिए भारतीय दल के साथ बातचीत करते हुए अपना एक वीडियो साझा किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'राष्ट्रमंडल खेलों के लिए हमारे दल के रवाना होने से पहले, मैंने अचिंता शुली के साथ बातचीत की थी। हमने उनकी मां और भाई से मिले समर्थन पर चर्चा की थी। मैं यह भी आशा करता हूं कि अब उन्हें एक फिल्म देखने का समय मिल गया है, जब एक

पदक जीता गया है।'

अचिंता शुली ने जीता स्वर्ण पदक-अचिंता शुली ने पुरुषों के 73 किग्रा फाइनल में 313 किग्रा भार उठाकर स्वर्ण पदक जीता है। इवेंट के दौरान, उन्होंने स्नैच राउंड में अपने आखिरी प्रयास में 143 किग्रा भार उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का एक नया रिकार्ड बनाया। अपने तीसरे क्लीन एंड जर्क प्रयास में 170 किग्रा की सफल लिफ्ट के साथ अचिंता शुली ने कुल 313 किग्रा (143 किग्रा + 170 किग्रा) भार उठाया।

भाई और कोच को समर्पित किया पदक

अचिंता शुली ने एएनआई को

बताया, %मैं बहुत खुश हूं। कई संघर्षों को पार करने के बाद, मैंने यह पदक जीता। मैं इस पदक को अपने भाई और कोच को समर्पित करूंगा। इसके बाद, मैं ओलंपिक की तैयारी करूंगा।

अचिंता शुला ने भारत को दिलाया तीसरा स्वर्ण

अचिंता शुली ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में देश का छठा पदक और इस आयोजन में तीसरा स्वर्ण पदक जीता। मलेशिया के खिलाड़ी को रजत और कनाडा के खिलाड़ी को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

हरियाणा में मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीज माने जा रहे भाई-बहन में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई

चंडीगढ़। हरियाणा के यमुनानगर में मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीज के तौर पर उपचार करा रहे दो नाबालिग भाई-बहन में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई।एक डॉक्टर ने रविवार को यह जानकारी दी। ढाई साल के एक लड़के और उसकी डेढ़ साल की बहन को यमुनानगर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उन्हें मंकीपॉक्स के मरीजों के लिए बनाए पृथक वार्ड में रखा गया। यमुनानगर की सिविल सर्जन डॉ. मनजीत सिंह ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''उनकी रिपोर्ट आ गयी हैं, दोनों संक्रमित नहीं पाए गए हैं।''

उन्होंने बताया कि भाई-बहन के शरीर पर लाल चकते पड़े गए थे और फफोले हो गए थे। जांच की रिपोर्ट रविवार को आयी है। उन्होंने कहा, ''उनकी त्वचा पर दाने हो गए और उसमें से कुछ सूख गए। त्वचा पर लाल चकते पड़ गए। दोनों को बुखार भी था। हमने उनका इलाज शुरू कर दिया और उनके नमूने दिल्ली स्थित एम्स को भेजे। दोनों में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई।'' यह पूछे जाने पर कि उन्हें क्या बीमारी है, इस पर डॉक्टर ने कहा, ''यह बैक्टीरियल इंफेक्शन लगता है। चूंकि दाने बहुत ज्यादा थे, तो हम उन्हें संदिग्ध (मंकीपॉक्स) मानकर इलाज कर रहे थे।''

ये बच्चे पिछले 12 दिनों से बीमार थे और शुरुआत में इन्होंने निजी चिकित्सक से इलाज कराया। इनके माता-पिता मजदूर हैं। सिंह ने बताया कि उन्हें बच्चों में मंकीपॉक्स जैसे लक्षण दिखायी देने के बारे में सूचना मिली और उन्हें इलाज के लिए एक एम्बुलेंस से अस्पताल लाया गया था। डॉक्टर ने कहा, ''हमने आगे जांच के लिए त्वचा रोग विशेषज्ञों को भी बुलाया है।

सर्दी के दौरान हाड़ कंपाने वाली ठंड से सैनिकों को राहत प्रदान करेगा करगिल समर स्मारक गृह

द्रास (लद्दाख)। पृथ्वी के दूसरे सबसे ठंडे स्थान के नाम से जाने जाने वाले एवं केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के प्रवेश द्वार द्रास में करगिल समर स्मारक की सुरक्षा में तैनात सैनिकों को अब हाड़ कंपा देने वाली ठंड का सामना नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि शिक्षाविद् सोनम वांगचुक ने अग्रणी घरेलू निर्माण तकनीक के माध्यम से उनकी इस चिंता को दूर कर दिया है। दरअसल, नागपुर के लोकमत मीडिया समूह ने स्मारक में करगिल समर स्मारक गृह के निर्माण के लिए वांगचुक की सेवाएं ली हैं। यह युद्ध स्मारक 1999 में पाकिस्तानी घुसपैठियों से मातृभूमि की रक्षा करते समय शहीद हुए 559 सैनिकों को समर्पित है। सेना ने घुसपैठियों को खदेड़कर भारत को इस युद्ध में जीत दिलाई थी। लोकमत मीडिया के संपादकीय बोर्ड के अध्यक्ष और राज्यसभा के पूर्व सदस्य विजय दर्डा ने पिछले सप्ताह विजय दिवस के मौके पर जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी), फायर एंड फ्यूरी कॉर्प्स, लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता और लोकमत मीडिया के प्रधान संपादक व पूर्व मंत्री राजेंद्र दर्डा की उपस्थिति में यह स्मारक गृह सैनिकों को समर्पित किया था। स्मारक 10,800 फीट की ऊंचाई पर स्थित है, जहां तापमान कभी-कभी शून्य से 30 डिग्री सेल्सियस नीचे चला जाता है। हालांकि, स्मारक गृह में सैनिकों के आवास का तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहेगा, जिसका अर्थ है कि रोजाना इस्तेमाल होने वाला पानी जम नहीं पाएगा।

प्रसिद्ध शिक्षाविद् और हिमालयन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टरनेटिव्स, लद्दाख (एचआईएएल) के संस्थापक वांगचुक द्वारा डिजाइन किए गए इस गृह का निर्माण फसल के भूसे और लद्दाख की मिट्टी को मिलाकर बनाई गई ईंटों का उपयोग करके किया गया है। एचआईएएल के मुख्य परिचालन अधिकारी तन्मय मुखर्जी ने कहा, इसके लिए पंजाब के किसानों द्वारा त्यागी गई पराली और लद्दाख की मिट्टी का मुख्य रूप से इस्तेमाल किया गया है। एक मंजिला इमारत करगिल युद्ध स्मारक के परिसर में स्थित है। यह तोलोलिंग हिल की तलहटी में शहर के केंद्र से पांच किलोमीटर दूर है। इसमें स्मारक की रखवाली करने वाले अधिकतम 10 सैनिक रह सकते हैं। वांगचुक से प्रेरित होकर ही 'थ्री इडियट्स' फिल्म बनी है।

मंकीपॉक्स के बढ़ते खतरे पर केंद्र अलर्ट, टास्क फोर्स का हुआ गठन

नई दिल्ली। देश दुनिया में मंकीपॉक्स बीमारी को लेकर काफी डरावना माहौल देखने को मिला। भारत में भी हड़कंप तब मचा जब यहां भी मंकीपॉक्स का मरीज सामने आया था। भारत में अभी तक कुल 4 संक्रमित सामने आ चुके हैं। इसी बीच केंद्र सरकार ने देश में मंकीपॉक्स के मामलों की निगरानी के लिए टास्क फोर्स का गठन किया है। टीम का नेतृत्व नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल करेंगे और सदस्यों में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, फार्मा और बायोटेक के सचिव शामिल होंगे।

दरअसल, मंकीपॉक्स के खतरों के बीच केंद्र सरकार ने इससे निपटने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन करने का फैसला किया है। यह टास्क फोर्स जांच सुविधाओं के विस्तार से लेकर वैक्सीन तैयार करने तक में सरकार को दिशा-निर्देश देगा। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मंकीपॉक्स से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने और मंकीपाक्स का प्रसार रोकने के लिए एक उच्चस्तरीय बैठक हुई थी। इसी दौरान इस टास्क फोर्स का फैसला लिया गया था।

जानकारी के मुताबिक देर शाम केंद्रीय

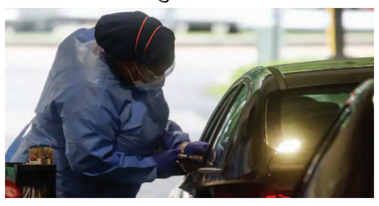

स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से कहा गया है कि नीति आयोग के सदस्य डॉ वीके पॉल की निगरानी में पांच सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस टास्क फोर्स में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण के अलावा बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सचिव और फार्मा से जुड़े शीर्ष अधिकारी भी रहेंगे। अलग अलग मंत्रालय से जुड़े इन अधिकारियों को एक साथ टीम में रखा गया है।

टास्क फोर्स में अलग-अलग विभागों को एक साथ इसलिए जोड़ा गया ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की चुनौती का सामना हो सके। असल में प्रधान सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में ही टास्क फोर्स गठन करने पर विचार किया गया था। इस दौरान राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन और स्वास्थ्य महानिदेशक को मंकीपॉक्स से जुड़े मामलों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए।

अभी तक कुल चार संक्रमित केस

मालूम हो कि भारत में केरल से 13 जुलाई को मंकीपॉक्स का पहला संक्रमित मिला था। इसके बाद अभी तक कुल 4 संक्रमित सामने आ चुके हैं। उधर दुनिया भर में मंकीपॉक्स का कहर बढ़ता जा रहा है। अफ्रीका से निकलकर मंकीपॉक्स का संक्रमण बीते कुछ दिनों में ही 75 से अधिक देशों में पहुंच गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बीते दिनों 20 हजार से अधिक लोगों के मंकीपॉक्स से संक्रमित होने की पुष्टि की थी।

ईडी ने देर रात शिवसेना सांसद संजय राउत को किया गिरफ्तार, घर से किए 11.50 लाख जब्त

नयी दिल्ली/मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई के एक 'चॉल' के पुनर्विकास में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि राउत (60) को दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट में ईडी के मंडल कार्यालय में छह घंटे से अधिक समय तक चली पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया।

उन्होंने दावा किया कि राउत को धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के तहत रविवार देर रात 12 बजकर पांच मिनट पर हिरासत में लिया गया,

क्योंकि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे। शिवसेना के राज्यसभा सदस्य राउत को मुंबई की एक विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया जाएगा, जहां ईडी उनकी हिरासत मांगेगी। जांच एजेंसी का एक दल रविवार को मुंबई के भांडुप इलाके में राउत के आवास पहुंचा, जहां उन्होंने तलाशी ली, राउत से पूछताछ की और शाम तक उन्हें एजेंसी के स्थानीय कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने का समन दिया।

दिल्ली में स्कूल कैब चालकों की हड़ताल, 35 हजार ने लगाए ब्रेक; 6 लाख बच्चों को होगी दिक्कत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सोमवार को स्कूल कैब पूरी तरह से बंद रहे। इसके चलते करीब छह लाख बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी होगी। परिवहन विभाग की ओर से चलाए जा रहे जांच अभियान के खिलाफ सोमवार को दिल्ली के करीब 35 हजार कैब चालक हड़ताल पर रहेंगे। स्कूल ट्रांसपोर्ट एकता यूनियन के आह्वान पर सभी चालक हड़ताल में शामिल हो रहे हैं। वहीं, यूनियन ने दिल्ली के कुछ इलाकों में प्रदर्शन करने का ऐलान भी किया है, जिससे कुछ जगहों पर जाम की स्थिति बन सकती है। हड़ताल आगे बढ़ाने को लेकर भी फैसला संभव यूनियन के पदाधिकारियों को कहना है कि अगर हमारी मांगे नहीं मानी जाती हैं तो सोमवार शाम को बैठक कर हड़ताल को आगे बढ़ाने का फैसला लिया जाएगा। उधर, किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी का कहना है कि भारतीय किसान यूनियन हड़ताल का

समर्थन करती है। दिल्ली सरकार उन्हें अकेला समझने की कोशिश न करे। यूनियन का आरोप है कि बीते दो हफ्ते से परिवहन विभाग स्कूली कैब को लेकर अभियान चला रहा है।

700 से अधिक कैब सीज

700 से अधिक कैब को सीज किया जा चुका है, जिससे कैब चालकों को उसे छुड़ाने में मोटी रकम खर्च करनी पड़ी है। दरअसल राजधानी में करीब 50 फीसदी से अधिक स्कूली कैब गैर व्यावसायिक हैं, जिन्हें लेकर परिवहन विभाग का कहना है कि अगर कोई हादसा हो जाता है तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा। कैब में निर्धारित सीटों से ज्यादा बच्चों को बैठाया जा रहा है, जिसके चलते अभियान चलाया जा रहा है।

उधर, यूनियन के अध्यक्ष रामचंद्र का कहना है कि बीते पांच साल से स्पीड गवर्नेंस से जुड़ी नियमों के चलते परिवहन विभाग ने व्यावसायिक श्रेणी में स्कूल कैब में किसी वाहन की खरीद नहीं होने दी है। हमारी ओर से जब यह मुद्दा उठाया गया तो उन्होंने कहा कि निजी कैब को व्यावसायिक श्रेणी में परिवर्तित करने का मौका दिया जाएगा, लेकिन अब मौका दिए बिना ही स्कूल कैब को जबरन सीज किया जा रहा है। इसलिए सोमवार से हड़ताल पर जाने का फैसला लिया है।

स्कूल पहुंचाने के लिए निकालना पड़ेगा समय

कैब चालकों की हड़ताल के बीच अभिभावकों के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है। राजधानी में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे हैं, जिनके मां और पिता दोनों नौकरी करते हैं। बच्चों को स्कूल भेजने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए वे स्कूल कैब लगाते हैं। लेकिन अब हड़ताल के चलते उन्हें समय निकालकर बच्चों को स्कूल तक छोड़ना पड़ेगा। साथ ही लेने के लिए भी जाना होगा। संभव है कि कार्यालय से छुट्टी भी लेनी पड़े।

यूपी-बिहार को मॉनसून ने भिगोया, देश के इन हिस्सों में होगी भारी बारिश

नई दिल्ली। मॉनसून पूरे शबाब पर है और देश के अधिकांश राज्यों में बारिश हो रही है। कहीं भारी तो कहीं हल्की बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिनों तक देश के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। देश के कुछ राज्यों में भारी बारिश से बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। तो वहीं आने वाले एक दो दिनों के लिए अलर्ट भी किया गया है। राजधानी दिल्ली में जोरदार बारिश शुरू हो गई है।

दरअसल, मौसम विभाग के ताजा अपडेट में बताया गया है कि दिल्ली एनसीआर में आने वाले दो दिनों में गरज चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है। कई राज्यों में अगले चार से पांच दिनों तक बरसात के आसार हैं। जम्मू-कश्मीर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट है। हिमाचल प्रदेश में भी भारी बारिश होगी, उत्तराखंड में मंगलवार तक तेज बरसात का दौर जारी रहने का अनुमान है।

अपने एक ट्वीट में मौसम विभाग ने बताया कि अगले चार से पांच दिनों तक मध्य, पश्चिम, पूर्व और दक्षिण भारत में गरज के साथ भारी बारिश होगी। झारखंड में मंगलवार तक भारी बारिश होने की संभावना है। अगले पांच दिनों तक सिक्किम, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश का अनुमान है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में बारिश का अलर्ट है।

कैसे क्राइम रिपोर्टर से शिवसेना के बड़े नेता बने संजय राउत, बालासाहेब ने दी थी नौकरी

उधर राजस्थान में तो मॉनसून ने इस बार कहर ही ढा रखा है। प्रदेश के पश्चिमी इलाके

दरअसल, मौसम विभाग के ताजा अपडेट में बताया गया है कि दिल्ली एनसीआर में आने वाले दो दिनों में गरज चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है। कई राज्यों में अगले चार से पांच दिनों तक बरसात के आसार हैं। जम्मू-कश्मीर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में तेज बारिश का अलर्ट है।

यानी पश्चिमी राजस्थान में इस बार सबसे ज्यादा बारिश हुई। श्रीगंगानगर और जोधपुर जैसे इलाकों में बचाव के लिए इस बार सेना को मोर्चा संभालना पड़ा। वहां जुलाई में मानसून ने 11 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है।

उत्तर प्रदेश और बिहार के कई जिलों में देर रात से बारिश का दौर जारी है। इधर मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए अलर्ट जारी किया है। पूरे बिहार में बादल गरजने और बिजली चमकने की भी संभावना है। मध्यप्रदेश में अगले तीन दिन तक फिर झमाझम बारिश के आसार हैं। मॉनसून ट्रफ लाइन ग्वालियर की तरफ होने से ग्वालियर, चंबल, बुंदेलखंड और बघेलखंड में अच्छी बारिश हो रही है।

महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ से लगे इलाकों में भी बारिश हो रही है। एक और दो अगस्त को तटीय आंध्र प्रदेश में, दो अगस्त को तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और माहे में तेज बारिश होगी। वहीं पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले पांच दिनों तक भारी बारिश और आंधी तूफान का अलर्ट पहले से ही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार अवसर सूर्य उदय की तरह होते है यदि आप ज्यादा देर प्रतीक्षा करेंगे तो आप उन्हें गवा देंगे। - अज्ञात

संपादकीय

मुफ्त की घातक राजनीति

वाकई 'मुफ्त का चंदन घिस रघुनंदन' की राजनीति से राजकोषीय अनुशासन को भंग करने वाले दलों की करतूतें हद पार कर गई हैं। तभी पहले प्रधानमंत्री ने रेवड़ियां बटोरने की संस्कृति को घातक बताया और अब सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जतायी है। कोर्ट ने केंद्र सरकार से सख्ती से कहा है कि विवेकहीन फ्रीबीज़ पर वह अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करे। इस बाबत वित्त आयोग से जानकारी लेकर कोर्ट को सूचित करे। निस्संदेह, यह स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह टकसाली सत्य है कि मुफ्त में मिली चीज की हमें बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। इससे दशकों से स्थापित सार्वजनिक व्यवस्था चरमरा जाती है। इतिहास गवाह है कि ऋण माफ करने की राजनीतिक कलाबाजी से तमाम सहकारी व सरकारी बैंक चरमराये हैं। मुफ्त बिजली व पानी करने से ये सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले संस्थान कर्ज में डूब गये हैं। यही नहीं, मुफ्त की सुविधाओं के लिये धन देने से दीर्घकालीन संरचनात्मक विकास के लक्ष्य अधूरे रह जाते हैं। दरअसल, मुफ्त के लालच से वोट बटोरने का फार्मूला दशकों पुराना है। लेकिन हाल के दिनों में यह चरम पर जा पहुंचा है। दीर्घकालीन विकास की तार्किकता को स्थापित करने में विफल राजनेता मुफ्त के प्रलोभन का शॉर्टकट रास्ता अपना रहे हैं। ऐसे में वे राजनीतिक दल, जो वित्तीय अनुशासन के साथ दीर्घकालीन विकास के मुद्दे लेकर चुनाव मैदान में आते हैं, जनादेश हासिल करने में विफल रह जाते हैं। अक्सर देखा जाता है कई योग्य व प्रतिभावान प्रत्याशी प्रलोभन की राजनीति का शिकार हो जाते हैं। कभी तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता ने मुफ्त की राजनीति को बड़े पैमाने पर शुरू किया था। लेकिन आज तो यह राजनीतिक फैशन बन गया है। मिक्सर ग्राइंडर, साड़ी, अनाज, साइकिल से शुरू हुआ यह प्रलोभन का राजनीतिक खेल अब लेपटॉप, स्कूटी से लेकर फ्री बिजली-पानी तक जा पहुंचा है। चुनाव से पहले घोषणापत्रों में मुफ्त का स्वर्ग धरती पर उतारने का उद्घोष होता है। यद्यपि यह बड़ा सवाल यह है कि क्या कानून बनाने वालों को कानून बनाकर मुफ्त की राजनीति करने से रोका जा सकता है? क्या ये प्रयास राजनेताओं में वह नैतिकता जगा पायेंगे जो उन्हें ऐसा करने से रोके? अन्य चुनावी विसंगतियों को रोकने के लिये बने कानूनों के छिद्र क्या इस मामले में भी तलाश लिये जाएंगे? क्या भ्रष्टाचार आदि कुप्रवृत्तियों आदि पर रोक लगाने के लिये बने कानूनों के निष्प्रभावी होने जैसा हश्र इस प्रयास का भी होगा? लेकिन इसके बावजूद शीर्ष अदालत की सक्रियता से उम्मीद जगी है कि इस दिशा में कोई निर्णायक पहल होगी। कोर्ट ने चुनाव आयोग की भूमिका पर भी टिप्पणी की है- 'यदि मुफ्त के उपहारों के जरिये मतदाताओं को रिश्वत देने के मामले में भारत का चुनाव आयोग केवल मजबूरी में हाथ ही मल सकता है तो तब भगवान ही इसका रखवाला है।' साथ ही कोर्ट ने कहा कि केंद्र सुनिश्चित करे कि राजनीतिक दल अव्यावहारिक वायदे न करें। निस्संदेह, हमारे देश के मतदाताओं को भी प्रलोभनों की राजनीति को नकारना होगा। यह विडंबना ही है कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाते देश में हम सात दशक बाद भी आम मतदाताओं में वह विवेक जगाने में विफल रहे हैं जो प्रलोभनों की राजनीति को नकार सके। कैसे हम चंद रुपयों के उपहार के लिये अपना कीमती वोट दांव पर लगा देते हैं। माना कि देश में आर्थिक विसंगतियां है लेकिन हमारा राष्ट्रीय चरित्र भी ऊंचे दर्जे का होना चाहिए। हमें लोकतंत्र की मर्यादाओं की गरिमा का ख्याल रखना चाहिए। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मुफ्त की सुविधा की बड़ी कीमत चुकानी होती है। वह धन सरकारी खजाने से आता है और इसके लिये जो टैक्स देना होता है, उसे अमीर-गरीब को चुकाना होता है।

आज के कार्टुन

बेकारी

श्रीराम शर्मा आचार्य/ कहावत है-'खाली दिमाग शैतान की दुकान।' यह कहावत उन सबके लिए है, जो परिश्रम से जी चुराते हैं। परिश्रम के बिना मनुष्य का जीवन अधूरा सा रहता है। अब तो विज्ञान भी मानने लगा है कि परिश्रम से जी चुराने से ही नाना प्रकार की बीमारियां पनपती हैं। परिश्रम चाहे वह व्यायाम का ही क्यों न हो, किन्तु करना अवश्य चाहिए। जो बेकार रहेगा, उसे शैतानी सूझेगी। कुछ दिन पहले इस देश में राजा-रईस, अमीर-उमराव, जमींदार-साहूकार, महंत-मठाधीश बहुत थे। उनके पास आमदनी बहुत थी और नौकर-चाकरों के बलबूते पर उनका व्यापार चलता रहता था। काम का कोई उत्तरदायित्व सिर पर न होने से उनके पास समय बहुत बचता था। इस बचे हुए समय का उपयोग आमतौर से खुराफातों में होता था। बहुत कम लोग इन वगरे में ऐसे थे, जो अपने समय को किसी मूल्यवान कार्य में लगाते थे। अब यह वर्ग घट रहे हैं। परिस्थितियों ने उन्हें श्रम करने और सुधरने के लिए विवश किया है। वह विवशता उपयोगी भी है और आवश्यक भी। बेकारी की समस्या इसीलिए खतरनाक नहीं मानी जाती कि उन दिनों आदमी कमाता नहीं, वरन मुख्यतया इसलिए उसे भयंकर मानते हैं कि बेकार आदमी को उत्पात ही सूझेंगे। बुरे विचार उसके मस्तिष्क में उठेंगे और वह बुरे कामों की ओर अग्रसर होगा। बुराई का आज चारों ओर बाहुल्य है। उसी का प्रसार एवं आकषर्ण भी प्रबल है। बेकार आदमी सहज ही उस ओर आकषिर्त होते हैं। कार्यव्यस्त व्यक्ति फुरसत न मिलने के कारण बुराइयों से बचा रहता है। पर बेकर आदमी के लिए तो सर्वनाश का द्वार खुला पड़ा है। बेकारी का कारण सदा काम का अभाव नहीं है। बहुधा आलस्य भी होता है। नौकरी के लिए दर-दर ठोकरें खाते फिरने वालों में से अधिकांश वे होते हैं, जो ऊंची आमदनी की, आरामतलब की, बिना मेहनत की नौकरी चाहते हैं, श्रम में जिनका जी दुखता है, मेहनत-मजदूरी से जिन्हें अपनी शान और इज्जत घटती मालूम होती है। उनके लिए बाबूगीरी की नौकरियां मिलना मुश्किल हो सकती हैं, पर परिश्रम करने वाले के लिए काम की कहीं कमी नहीं है। ज्यादा पैसे का नहीं, बड़ा न सही, परन्तु हर आदमी को हर जगह काम मिल सकता है और बहुत न सही, पर थोड़ा-सा तो वह कमा ही सकता है। थोड़ी भी कमाई न हो तो समय की बेकारी तो किसी काम में लगे रहने से बच ही जाती है। खुराफात में मन दौड़ाने का अवसर नहीं मिलता, यह भी क्या कुछ कम लाभ है?

खरी नहीं है शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग प्रणाली

अविजीत पाठक

बतौर एक छात्र और अध्यापक मैंने सदा जीवन-निरंतरता और नैतिकता से परिपूर्ण विश्वविद्यालय होने के विचार को पोषित किया है, ऐसा विश्वविद्यालय जो छात्र में मुक्त जिज्ञासा को सक्रिय करे, छात्रों और अध्यापकों को मानवीय एवं समानाधिकारवादी दुनिया बनाने के प्रयासों में प्रोत्साहित करे, ज्ञान की खोज को गहरा अर्थ दे- ज्ञान बतौर प्यार, ज्ञान जो सत्ता के जुमलों पर प्रश्न उठाने के साहस जैसा हो, या ज्ञान बतौर एक जागृति। हालांकि, मैंने हमेशा अपने आदर्शों और हमारे विश्वविद्यालयों की हकीकत के बीच फर्क पाया है, फिर भी मैं अपने पोषित आदर्शों की कदर-कीमत कायम रखे हुए हूं क्योंकि यह मुझे अपना सपना जिंदा रखने में मददगार है। एक अन्य संभावना के सपने के बिना या एक व्यवहार्य स्वप्नलोक के सहारे के बगैर हम कैसे मौजूदा विकृति का प्रतिरोध कर सकेंगे, जो आज हमारी अधिकांश यूनिवर्सिटियों का चाल-चरित्र है- जी हां, इसमें हमारी सर्वोच्च रैंकिंग वाले विश्वविद्यालय भी शामिल हैं। तथापि, इससे पहले कि मैं हमारे समय में रैंकिंग और ब्रांडिंग पर खुशियां मनाने का संदर्भ छेड़ूं, मुझे चुभती हकीकत से शुरू करने दें। एक दिन मेरी एक पूर्व छात्रा, जो बिहार की एक यूनिवर्सिटी में पढ़ाती है, उसने बताया, 'सर मैं बहुत हतोत्साहित और मायूस हूं क्योंकि विद्यार्थी कभी-कभार कक्षा में आते हैं। वहां किसी किस्म की अध्यापन गतिविधि नगण्य है। और लगता है हम भी इसके अभ्यस्त हो चले हैं।' उसकी इस उदासीनता और वेदना में मैं आजकल का चाल-चलन देख पा रहा हूं। हमारे अधिकांश कॉलेज-यूनिवर्सिटियों में शायद ही कहीं अर्थपूर्ण पढ़ाई और अनुसंधान होता है। ऐसा मुल्क जहां मेडिकल और इंजीनियरिंग की डिग्री पाने की दीवानगी हो, वहां यह अप्राकृतिक नहीं होगा कि जिन विद्यार्थियों को बीए-एमए की डिग्री पाने की खातिर कॉलेज-यूनिवर्सिटी आने की मजबूरी है, उनमें ज्यादातर खुद को पराजित और हतोत्साहित समझते हैं। आगे बढ़ने के लिए निजी ट्यूशन या कोचिंग केंद्रों का सहारा लेते हैं। जहां वे बुरी तरह लिखी गाइड-कुंजियां या नोट्स पढ़ते हैं, अदूरदर्शी इम्तिहान देते हैं, जिनमें रट्टा लगाकर डिग्री पाने के अलावा और कुछ करने की जरूरत नहीं है- मसलन, संस्कृत में बीए, बौद्ध अध्ययन में एमए, बॉटनी में एमएससी इत्यादि। हर चीज को महत्वहीन कर दिया लगता है- बीएड से लेकर पीएचडी तक। हमारा देश विरोधाभासों से भरा है : एक ओर अभिजात्य इलाकों में पांच सितारा अंतर्राष्ट्रीय स्कूल हैं तो दूसरी तरफ घटिया गुणवत्ता वाले सरकारी विद्यालय या फिर एनआईआरएफ अनुमोदित टॉप-रैंकिंग यूनिवर्सिटियों के बरक्स पतनोन्मुख संस्थान हैं, जिसका मकसद सिर्फ इम्तिहान करवाना, डिग्री-डिप्लोमा बांटना है। तथापि इस शोचनीच परिदृश्य में मैं खुद से पूछता हूं : क्या इन टॉप रैंकिंग यूनिवर्सिटियों में कोई आशा की किरण है? हमारे में अधिकांश-छात्र और अध्यापक, विज्ञानी और अर्थशास्त्री- जो इन यूनिवर्सिटियों से संबंधित हैं, प्राप्त रैंकिंग देख-देखकर मुग्ध होते रहते हैं। इससे हमारा अहम तुष्ट होता है, हम स्वयं को बधाई देते हैं और अपनी उपलब्धियों पर गौरवान्वित होते रहते हैं- पुरस्कार एवं प्रकाशन, सेमिनार और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्किंग, प्लेसमेंट के दावे और हमारे 'उत्पाद' का बाजार भाव, इन सब पर। इस जश्न के बीच-यह पता करना कि कौन-सा 'ब्रांड' बेहतर है, दिल्ली का लेडी श्रीराम कॉलेज या सेंट स्टीफन्स कॉलेज- आपाधापी भरे इस माहौल में मैं खुद को अकेला महसूस करता हूं। इन 'टॉप' यूनिवर्सिटियों में भी मुझे अपना आदर्श नहीं मिलता। मुझे इस संभावना से इंकार नहीं कि हो सकता है, इनमें कुछ अध्ययन केंद्रों में अच्छा अनुसंधान, सक्रिय कक्षा संस्कृति, कक्षा से बाहर निकलकर पढ़ाई करवाने वाले उत्साही शिक्षक और युवा विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का बेहतर निदान होता हो। फिर भी हमें रैंकिंग और ब्रांडिग को लेकर बनी सामाजिक लालसा को नहीं भूलना चाहिए। नवउदारवाद का पैमाना- वह, जो मापने लायक है उसे पता नहीं, जो प्रत्येक खोज को अपने उपयोगितावादी ध्येय में बदल दे या जो कुछ पढ़ाना-सीखना है यह तय करने की वैधता बाजार की मांग सर्वोपरि रखकर बनाए-एक उपभोक्ता वस्तु की तरह शिक्षा के कार्यक्षेत्र, यूनिवर्सिटी में भी सेंध लगाना है। इससे तीन नुकसान होते हैं। पहला, यह ज्ञान की रिवायती व्यवस्था में पदानुक्रम बना देता है क्योंकि उदार संकाय जैसे कि कला और मानवता संकाय की तुलना में बाजार चालित तकनीकी-वैज्ञानिक, प्रबंधन और अर्थशास्त्र के कोर्सों को धन, बुनियादी ढांचा और अनुसंधान हेतु अनुदान की मात्रा अधिक मिलती है। दूसरा, कौशल सिखलाई पर बेजा जोर देना (बाजार-उद्योग गठजोड़ से आई किन्हीं कौशल विशेष की मांग के अनुरूप) इससे यूनिवर्सिटी में बतौर एक महत्वपूर्ण अवयव रही अकादमिक संस्कृति में शिक्षा-विज्ञान का ह्रास होकर रहेगा। एक तरह से, यह सीखने की संस्कृति का गैर-राजनीतिकरण और सुविधावादियों का ऐसा समूह तैयार करना है जो नवउदारवाद के हर हुक्म को 'जी हुजूर' कहे। तीसरा, यह विद्यार्थी की वृत्ति को बिगाड़ देता है। अब छात्र एक जिज्ञासु, यायावर या एक जाग्रत नागरिक नहीं रहा, इसकी बजाय वह उपभोक्ता है, जो ब्रांड के पीछे भागे- जैसे कि एक ब्रांडेड यूनिवर्सिटी या ब्रांडेड कोर्स। यह एक शिक्षक का स्वरूप भी बदल देता है। अब विद्यार्थी का ध्यान 'नेटवर्किंग' (फायदे के लिए संबंध बनाना) की कला विकसित करने, खुद की ब्रांडिंग कैसे करनी है और अंतहीन 'शोधपत्र' पैदा करने का 'विज्ञान' सीखने पर अधिक है। एक तरह से, हम सब अब मूल्य-पट्टिका लगी वस्तु भर हैं। जिस दुनिया में हम रह रहे हैं, उस पर नजर दौड़ाएं तो पाते हैं कि पर्यावरण संकट से लेकर बढ़ता सैन्यीकरण और अधिनायकवाद, भौंडा उपभोक्तावाद और सितारों की जीवनशैली की कहानियों से लेकर सामाजिक-आर्थिक असमानता, 'ब्रेकिंग' की होड़ में सनसनी फैलाने वाली अर्थहीन मीडिया रिपोर्टों की भरमार को आम चलन बनाने तक, हम गहरे संकट में धंसे हैं। शिक्षा का मतलब क्या रह जाता है, यदि यह अंतरात्मा और नैतिक संवेदनशीलता रहित केवल 'विशेषज्ञ' और 'माहिर' ही तैयार करे और इस बिगाड़ को रोकने के लिए हमें बुद्धिमत्ता और नैतिक बल न दे पाए। क्या अपने इन जख्मों के बिना हमारे बेहतर भविष्य की कल्पना संभव नहीं? शिक्षा का अर्थ क्या रह जाता है यदि यह केवल उत्पादकता और सक्षमता जैसे जीवन-नकारात्मक सिद्धांतों में उलझी रहे- अकादमिक शोधपत्र पैदा करने वाला एक उद्योग, जहां उद्धरण-सूचकांक (साइटेशन इंडेक्स) की गिनती से किसी को प्रतिनिधिक खुशी मिलती हो या जब प्रयोगशाला अथवा सेमिनार कक्षों से बाहर की दुनिया जल रही हो और ऐसे में पढ़ाए जाने वाले कोर्स और अनुसंधान परियोजनाएं बाजार भाव के मुताबिक शुरू करना कहां तक जायज है? क्या अपनी उपलब्धियों भरे संतति-पत्र का प्रदर्शन करने से परे कुछ नहीं? रैंकिंग और ब्रांडिंग के युग में, क्या हमारी अवस्था वस्तुतः सौंदर्य प्रतियोगिता की दौड़ में शामिल प्रतिभागियों से अलग है-आत्ममुग्धता और सफलता के प्रतीकात्मक भार से लदी। यही सही समय है, जब खुद से यह असहज सवाल पूछना शुरू करें।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

गजराजों की बढ़ती नाराजगी

- प्रभुनाथ शुक्ल

मानव जितना सभ्य हुआ उससे कई गुना स्वार्थी बन गया। वह सहयोगी और सहचर जंगली जानवरों पर जरूरत से अधिक क्रूर हो चला। उसे तनिक भी ख्याल नहीं आया कि जिस प्राकृतिक वातावरण में वह रहता है उसमें साथ रहने वाले पशु-पक्षी और जंगली जानवर भी हमारे मित्र हैं। वह हमारी सभ्यता और संस्कृति से जुड़े हैं। हम विकास की आड़ में जंगलों को काटना शुरू कर दिया। परिणाम जंगल खत्म होते गए। जंगली जानवरों और इंसानों में संघर्ष शुरू हो गया। जिसमें दोनों की बहुत बड़ी क्षति हुई। हमने प्रकृति के साथ साहचर्य बना कर जीने के बजाय प्राकृतिक संपदाओं का विनाश मानव जीवन का उद्देश्य बना लिया। जिसका दुष्परिणाम आज हम भुगत रहे हैं। जिसकी वजह से जंगली जानवर शेर, बाघ, चीता और हाथी मानव बस्तियों तक पहुंच रहे हैं। मीडिया में आए दिन मानव बस्तियों में जंगली जानवरों कि हिंसा सुर्खियों में रहती हैं। जंगलों के आसपास मानव बस्तियों में पहुंच नाराज गजराज उत्पात मचा रहे हैं। खेतों कि फसलों को रौंद रहे हैं बस्तियों एवं पेड़ों को उखाड़ रहे हैं। गुस्से में इंसानों को अपने पैरों तले रौंदते हैं। लेकिन इस नाराजगी का कारण हमने कभी पता लगाने की कोशिश नहीं की। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की तरफ से बने कानून सफेद हाथी साबित हो रहे हैं। प्रतिबंधित जंगली जानवरों का बेतहाशा शिकार किया जा रहा है। प्राकृतिक व्यवस्था में छेड़छाड़ का खामियाजा इंसान खुद भुगत रहा है। जंगली जानवरों के साथ इंसानी निर्ममता थम नहीं रही है। नतीजा जंगल में बसने वाले जानवर भी इंसानी बस्तियों में पहुंचकर अपना हिंसक स्वरूप दिखा रहा है। साल 2020 में केरल की घटना ने सबको हिला कर रख दिया था। जहां बारूद भरा अनानस खाने से गर्भवती हथिनी की मौत हो गई थी। यह घटना पूरी सोशलमीडिया पर छायी हुई थी बाद में केंद्र सरकार ने जांच का आदेश दिया था। जंगल नष्ट होने से उसमें रहने वाले जंगली जानवर आख़िर कहाँ जाएं। मज़बूरी में भोजन की तलाश में वह मानव बस्तियों में पहुंचकर क्षति पहुंचा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 में 70 से अधिक लोग गजराज की नाराजगी के शिकार बन चुके हैं। 16 राज्यों में हाथियों के हमले तेजी से बढ़े हैं। साल 2020-21 में हाथियों के उत्पात में देश भर में 461 लोग मारे गए थे। 2021-22 में यह संख्या 532 पर पहुंच गई जबकि 2019 में 585 लोग मारे गए। हाथियों ने सबसे अधिक झारखंड, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के लोगों को शिकार बनाया। इसके बाद छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु जैसे राज्य हैं। राज्य सरकारों की तरफ से केंद्र को जब इस तरह की रिपोर्ट मिलती है तो प्रभावित इलाकों में हाथियों के उत्पात को कम करने के लिए कई तरह के उपाय किए जाते हैं। धन-जन कि क्षति के लिए आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाती है। जनसत्ता में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में अब तक सबसे अधिक 133 लोगों की मौत हाथियों के हमलों में हुई। इस प्रकार अरुणाचल में एक, आसाम में 63, छत्तीसगढ़ में 64, कर्नाटक में 17, केरल में 25 मेघालय में दो, उड़ीसा में 112, तमिलनाडु में 37, त्रिपुरा में दो जबकि बंगाल में 77 लोगों की मौत हुई। केरल राज्य में हाथियों के हमले से बचने के लिए बालयमचल और तालीपरंबा रेंज में 10 से लेकर 38 किलोमीटर तक दीवार खड़ी की गई है। जिसकी वजह से हाथी संरक्षित क्षेत्र से बाहर न निकल पाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार गजराज यानी हाथी भगवान गणपति के स्वरूप हैं। पारंपरिक उत्सव और विवाह में गजराज की पूजा सबसे पहले होती है। क्योंकि मंगलमूर्ति भगवान गणपति प्रथम पूज्य देव माने जाते हैं। लेकिन इंसान की बदली हुई प्रवृति के कारण मंगलमूर्ति गजराज कुपित हो चले हैं। साल 2017 में देशभर में हाथियों की

जनगणना कराई गई। इसके पूर्व वर्ष 2012 में गणना हुई थी जिसमें हाथियों की संख्या 30 हजार बताई गई। आपको जानकर आश्चर्य होगा भारत में 60 फीसदी एशियाई प्रजाति की हाथी पायी जाती है। हाथियों की संख्या में 10 फ़ीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज हुई। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2014 और 2019 के बीच 500 से अधिक हाथियों की अकाल मौत हुई थी। हाथियों के मरने के कारणों ने इंसानी और जंगली जानवरों के बीच संघर्ष प्रमुख रहा है। इसके अलावा रेल ट्रैक पर आने, शिकारियों की तरफ से शिकार और बिजली की चपेट में आने से भी मौत हुई। साल 2010 में हाथी को राष्ट्रीय विरासत पशु घोषित किया गया। अब समय के साथ हमें अपनी सोच बदलनी होगी और जंगली जानवरों के साथ मित्रवत व्यवहार करना होगा। सरकार की भी नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि जंगलों के आसपास जहाँ मानव बस्तियां हैं उनकी सुरक्षा के लिए व्यापक प्रबंध किए जाएं जिसकी वजह से जंगली जानवर और इंसानों के बीच संघर्ष को टाला जाए। वक्त रहते इस पर नहीं चेता गया तो आने वाले वक्त में हाथी भी विलुप्त प्राणी बन जाएगा।

सू-दोकू नवताल 2179

	5	1	9			8		
2				8		9		1
9					3			
5	7				9		1	8
				6				
6	1		3				2	4
			1					6
7		2		5				9
		4			2	7	5	

सू-दोकू -2178 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2179

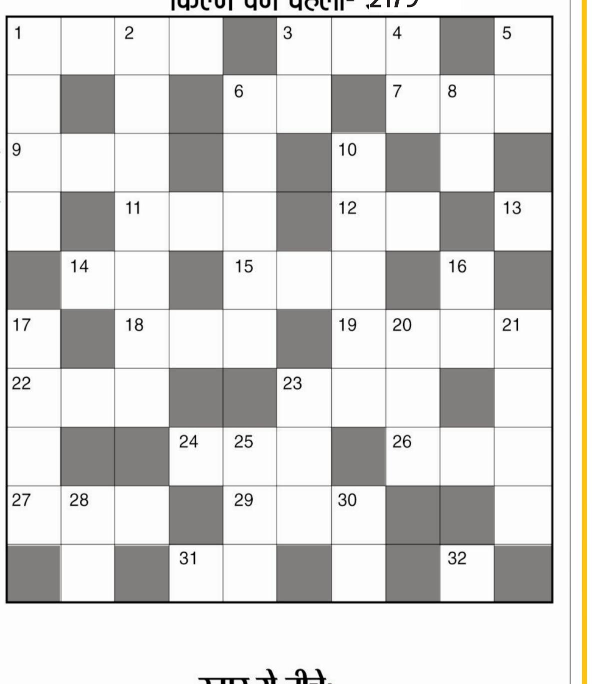

बायें से दायें:-

1. आफताब शिवदासानी, एशा देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-4
3. 'दिल में तुझे बिठा के' गीत वाली शशि कपूर, शबाना आजमी की फिल्म-3
6. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने दीवाना' गीत वाली फिल्म-2
7. इमरान हाशमी, उदिता गोस्वामी, की 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली फिल्म-3
9. 'चंदा की चांदनी को देखा है' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-3
11. बॉबी देओल, रितेश देशमुख, प्रियंका चोपड़ा की 'दिल तेरी दीवानगी में खो गया है' गीत वाली फिल्म-3
12. फिल्म 'रामकसम' में सुनील दत्त के साथ नायिका कौन थी-2
13. रामगोपाल वर्मा द्वारा निर्मित तथा मनीष श्रीवास्तव निर्देशित गौतम गुप्ता, निशा कोठारी की एक ताजा फिल्म-1
14. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-2
15. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली जीतेंद्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
18. नायक धर्मेन्द्र की फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका कौन-3
19. 'लो मेरा प्यार ले लो' गीत वाली राकेश रोशन, योगिता बाली की फिल्म-4
22. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-3
23. फिल्म 'छलिया' के गीत 'मेरे टूटे हुए दिल से' के गीतकार का प्रथम नाम-3
24. 'छोटा सा घर होगा बादलों की छांव में' गीत वाली किशोर कुमार की फिल्म-3
26. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट अभिनीत फिल्म-3
27. मिथुन चक्रवर्ती, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-3
29. शत्रुघ्न सिन्हा की 'बरखा रानी जरा जम के बरसो' गीत वाली फिल्म-3
31. 'दो नैनों के पंख लगा कर' गीत वाली विनोद खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'मेरे दिल ने तड़प के' गीत वाली राजेश खन्ना, सिम्पल कपाड़िया की फिल्म-4
2. धर्मेन्द्र, रेखा की 'अरे रफ्ता रफ्ता देखो आंख मेरी लड़ी है' गीत वाली फिल्म-3,3,1
3. 'चांद सिफारिश जो करता हमारी' गीत वाली आमिर खान, काजोल की फिल्म-2
4. डिनो, बिपाशा की 'इतना मैं चाहूं तुझे' गीत वाली फिल्म-2
5. 'दिल में जागी धड़कन जैसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-2
6. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'नैनों में सपना, सपनों में सजना' गीत वाली फिल्म-5
8. नसीरुद्दीन शाह, जैकी श्राफ, नगमा की 'मत पूछ मेरे महबूब सनम' गीत वाली फिल्म-2
10. 'ये है रेशमी जुल्फों का' गीत वाली बिस्वजीत, आशा पारेख की फिल्म-2,3
16. अजय देवगन, रवीना टंडन की 'मैं नये जमाने की लैला' गीत वाली फिल्म-2
17. 'दर्पण को देखा तूने जब जब किया सिंगार' गीत वाली फिरोज खान, संजय खान, मुमताज की फिल्म-4
20. 'धक धक दिल मेरी' गीत वाली फिल्म 'मजबूर' में सनी के साथ नायिका कौन थी-3
21. धर्मेन्द्र, आदित्य, नसीरुद्दीन शाह, सोनू वालिया, पल्लवी, एकता की 'मेरी छतरी के नीचे आजा' गीत वाली फिल्म-4
23. 'हां जुदाई से डरता है दिल' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-3
25. लकी अली और पाकिस्तानी अभिनेत्री मीरा की 'बेचैनियों में लम्हा' गीत वाली फिल्म-3
28. देव आनंद वाली फिल्म 'बनारसी बाबू' की नायिका कौन थी-2
30. ऋषि, टीना मुनीम की 'दर्दे दिल दर्दे जिगर दिल में जगाया आपने' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2178

प	हे	ली		जु	बै	दा		दौ	
र		ड	र		रा		स	ड़	क
दे	व	र		दा	ग		त्य		र्ज
स	र		शि	वा		शि	का	र	
	दा	न	व		चा		म	जा	ल
शा	न		रा	ज	ह	ठ		मु	
ली		ओ	म		त		श	रा	बी
मा	सू	म		फ		दा	मा	द	
र		का	पों	रे	ट				जू
	ही	रा		ब		अ	न	क	ही

बजाज ऑटो दोपहिया वाहनों की बिक्री घटी

मुंबई । बजाज ऑटो ने बताया कि जुलाई 2022 में उसके दोपहिया वाहनों की बिक्री पांच प्रतिशत घटकर 3,15,054 इकाई रह गई। पुणे स्थित वाहन विनिर्माता ने पिछले साल जुलाई में कुल 3,30,569 दोपहिया वाहन बेचे थे। हालांकि इस दौरान घरेलू बाजार में दोपहिया वाहनों की बिक्री पांच प्रतिशत बढ़कर 1,64,384 इकाई हो गई, जो एक साल पहले की इसी अवधि में 1,56,232 इकाई थी। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन अवधि में निर्यात 14 प्रतिशत घटकर 1,50,670 इकाई रह गया।

इस महीने एनएसई और बीएसई तीन दिन बंद रहेंगे

नई दिल्ली । इस महीने अगस्त में तीन दिन बीएसई और एनएसई में कारोबार नहीं होगा। 9 अगस्त को मुहर्रम, 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 31 अगस्त को गणेश चतुर्थी की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी पर काम नहीं होगा। इसकी जानकारी बीएसई ञ्की ऑफिशियल वेबसाइट पर साझा की गई है। गौरतलब है` कि साल भर में कई मौकों पर एनएसई और बीएसई में कारोबार नहीं होता है। बीएसई ऑफिशियल वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार इन तीनों दिन सेंसेक्स में इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट और एसएलबी सेगमेंट से सम्बंधित कोई काम नहीं होगा। स्टाक मार्केट के अगस्त की छुट्टियों के अनुसार 9 अगस्त, 15 अगस्त और 31 अगस्त को सुबह का सत्र बंद रहेगा। वहीं 9 और 31 अगस्त को शाम का सत्र खुला रहेगा। इसके अलावा इस साल दशहरा 5 अक्टूबर बुधवार, दिवाली (लक्ष्मी पूजा) 24 अक्टूबर सोमवार, दिवाली 26 अक्टूबर बुधवार और गणेश चतुर्थी 8 नवंबर मंगलवार को बीएसई में छुट्टी रहेगी।

देश में विनिर्माण पीएमआई आठ महीने के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । देश में विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियां जुलाई 2022 में आठ महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। एक मासिक सर्वेक्षण में कहा गया कि व्यापार आर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण यह तेजी आई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया का विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून में 53.9 से बढ़कर जुलाई में 56.4 हो गया। यह आठ महीनों का उच्चतम स्तर है। जुलाई के पीएमआई आंकड़ों ने लगातार 13वें महीने के लिए समग्र परिचालन स्थितियों में सुधार की ओर इशारा किया। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब विस्तार होता है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की संयुक्त निदेशक पोलियाना डी लीमा का कहना है` कि भारतीय विनिर्माण उद्योग जुलाई के दौरान तेज आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति में नरमी के स्वागतयोग्य रुख से रूबरू हुआ। पिछले नवंबर के बाद से उत्पादन में सबसे तेज गति से विस्तार हुआ है और यह नए आर्डर में तेजी को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हालांकि इस दौरान रोजगार सृजन कम रहा।

जुलाई में जीएसटी संग्रह बढ़कर 1.49 लाख करोड़

नई दिल्ली । आर्थिक सुधार और कर चोरी पर रोक लगाने के लिए किए गए उपायों के कारण जुलाई में जीएसटी संग्रह 28 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपए हो गया। वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जुलाई 2021 में 1,16,393 करोड़ रुपए था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जुलाई 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद से इस साल जुलाई में मासिक कर संग्रह दूसरे स्थान रहा। इससे पहले अप्रैल 2022 में संग्रह 1.68 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। समीक्षाधीन अवधि में वस्तुओं के आयात से राजस्व में 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। घरेलू लेनदेन से राजस्व पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक था।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार सोमवार को उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में यह तेजी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में भारी खरीददारी और विदेशी संस्थागत निवेशकों के सकारात्मक रवैये से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 545.25 अंक करीब 0.95 फीसदी बढ़कर 58,115.50 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 181.80 अंक करीब 1.06 फीसदी ऊपर आकर 17,340.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, मारुति सुजुकी इंडिया, भारती एयरटेल, कोटक महिंद्रा बैंक, पावरग्रिड और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर उछले हैं। वहीं दूसरी ओर सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंडसइंड बैंक और नेस्ले के शेयर गिरे हैं। अन्य एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया के कॉस्पी, चीन के शंघाई कंपोजिट सूचकांक, जापान के निक्की और हांगकांग के हैंगसेंग में उछाल दर्ज किया गया। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में तेजी का रुख बना रहा। इसके अलावा अमेरिकी शेयर बाजार भी लाभ में रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड कच्चा तेल 1.35 फीसदी की गिरावट के साथ ही 102.6 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से भी बाजार को बल मिला है।

सोने, चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 195 रुपये की गिरावट के साथ ही 51,947 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 52,142 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। दूसरी ओर चांदी की कीमत भी 223 रुपये ऊपर आकर 58,731 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 58,954 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,764 डॉलर प्रति औंस रह गया। वहीं चांदी 20.21 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर रही।

यस बैंक की 8900 करोड़ जुटाने की योजना

नई दिल्ली ।

यस बैंक ने प्राइवेट इक्विटी फंड कार्लाइन और एड्वेंट इंटरनेशनल से 1.1 एक अरब डॉलर (8900 करोड़ रुपए) जुटाने की योजना बनाई है। पिछले करीब 3 साल से फंड जुटाने की कोशिश के बाद यस बैंक को यह सफलता मिली है। शेयर बाजार के विशेषज्ञ का कहना है` कि यस बैंक का ग्रोथ प्रोफाइल सुधरा है और कैपिटल यूटिलाइजेशन की स्थिति भी बेहतर हुई है। फंड जुटाने की योजना सफल होने के बाद यस बैंक की क्रेडिट रेटिंग में सुधार हो सकता है। यस बैंक द्वारा फंड जुटाने की योजना से बैंक के रिटर्न ऑन इक्विटी या कमाई पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है। यस बैंक में प्राइवेट इक्विटी कंपनियां निवेश कर रही हैं और इससे यस बैंक का बैलेंस शीट साफ सुथरा हो सकता है। विशेषज्ञ ने कहा कि यस बैंक सही दिशा में कदम बढ़ा रहा है, हालांकि यस बैंक की पहले की छवि बहाल होने में अभी काफी समय लग सकता है।

5जी स्पेक्ट्रम नीलामी समाप्त, 1.5 लाख करोड़ रुपये की लगी बोली, रिलायंस जियो अव्वल

नई दिल्ली।

5जी स्पेक्ट्रम की मेगा नीलामी सोमवार को समाप्त हो गई, जिसमें सात दिनों में 40 राउंड के दौरान 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की रिकॉर्ड बोलियां मिलीं। इस दौरान रिलायंस जियो सबसे आगे रही। सूत्रों के मुताबिक, अब तक की सबसे बड़ी स्पेक्ट्रम नीलामीखत्म हो गई है, जिसमें कुल 1,50,173 करोड़ रुपये के स्पेक्ट्रम की बिक्री हुई है। रविवार को 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी के छठे दिन 37 राउंड के बाद 1,50,130 करोड़ रुपये की बोली के साथ बोली के आंकड़े में वृद्धि देखी गई थी।

उद्योग विश्लेषकों के अनुसार, रिलायंस जियो ने 84,500 करोड़ रुपये से अधिक की बोली लगाई है, जबकि एयरटेल की बोली 46,500 करोड़ रुपये से अधिक की है। वोडाफोन-आइडिया ने करीब 18,500 करोड़ रुपये की बोली लगाई है, जबकि अडानी एंटरप्राइजेज की एक इकाई ने करीब 5,000 करोड़ रुपये की बोली लगाई है। उत्तर प्रदेश ईस्ट सर्कल में 1800 मेगाहट्र्ज बैंड के लिए जियो और एयरटेल जमकर बोली लगा रहे थे। प्राइमस पार्टनर्स के सह-संस्थापक और बोर्ड के सदस्य देवरूप धर ने कहा कि नीलामी इस बात का प्रमाण है कि उद्योग पहले से कहीं अधिक विस्तार करने के लिए तैयार है। धर ने कहा, यही कारण भी है कि प्रमुख दिग्गज अंततः 700 मेगाहट्र्ज बैंड के लिए जा रहे हैं। 3,927 करोड़ रुपये प्रति यूनिट के लिए बैंड की 40 प्रतिशत कटौती ने बोलीदाताओं के लिए सहायता के रूप में काम किया। विशाल 700 मेगाहट्र्ज बैंड भारत जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों को कवर करने के लिए बनाया गया है, जो वास्तव में इस बैंड से लाभान्वित होंगे और विस्तृत 5जी कवरेज प्राप्त करेंगे। धर ने कहा, चूंकि बोली पिछली नीलामी की तुलना में काफी अधिक रही है, इसलिए उत्पन्न राशि से राजस्व में सकारात्मक वृद्धि होगी और भविष्य में सरकार को 5जी बुनियादी ढांचा स्थापित करने में मदद मिलेगी। जबकि रिलायंस जियो के पास बंडल हैंडसेट और उनके निवेश के मामले में ऊपरी हाथ हो सकता है, अन्य उद्योग के दिग्गजों को भी उद्योग में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर मिला है। क्योंकि अध्ययनों के अनुसार, भारतीय उपभोक्ता 5 जी-बंडल के लिए 50 प्रतिशत अधिक भुगतान करने के इच्छुक होने का दावा करते हैं।

इस बारे में बात करते हुए धर ने आगे कहा, इसलिए, कंपनियों को अपने ग्राहकों को 5जी उपकरणों में अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहन खोजने की आवश्यकता है। आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस साल अक्टूबर तक 5जी रोलआउट की उम्मीद है।

एटीएफ की कीमत में 11.74 फीसदी की भारी कमी

हवाई किराया हो सकता है सस्ता

नई दिल्ली ।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में भारी कमी की है। इस साल एटीएफ की कीमतों में यह तीसरी कटौती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में नरमी के बाद एटीएफ में 11.74 फीसदी की भारी कमी की गई है। एटीएफ की कीमत 1,21,915.57 रुपए प्रति किलोलीटर रह गई है। इसमें 16,232.35 रुपए प्रति किलोलीटर की कमी की गई है। इससे पहले दिल्ली में एटीएफ की कीमत 1,38,147.93 रुपए थी। पिछले महीने 16 तारीख को भी इसमें 3084.94 रुपए की कटौती हुई है। इस कटौती के बाद कोलकाता में एटीएफ की कीमत 1,28,425.21 रुपए, मुंबई में 1,20,875.86 रुपए और चेन्नई में 126516.29 रुपए प्रति किलोलीटर रह गई है। स्थानीय टैक्स के कारण अलग-अलग राज्यों में इसकी दर अलग-अलग हो सकती है। किसी भी विमानन कंपनी की परिचालन लागत में एटीएफ की हिस्सेदारी करीब 50 फीसदी होती है। इसलिए इसकी कीमत घटने-बढ़ने से हवाई किराए पर असर पड़ता है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली और 16वीं तारीख को एटीएफ की कीमत में संशोधन करती हैं। यह संशोधन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रूड की कीमत के आधार पर किया जाता है। विमानन कंपनियों के परिचालन में एटीएफ का हिस्सा करीब 50 फीसदी होता है। रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग के कारण अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमत में काफी उछाल आई थी। एक समय यह 139 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया था। इस कारण दुनियाभर में ईंधन की कीमत रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। इस कारण देश में एटीएफ की कीमत में कई बार बढ़ोतरी की गई थी और यह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

रुपया 79.02 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 22 पैसे की बढ़त के साथ ही 79.02 पर पहुंच गया। डॉलर में कमजोरी आने के बीच रुपये की विनिमय दर में मजबूती आई। इसी कारण अंतर-बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया सुबह मजबूती के साथ 79.16 के स्तर पर खुला। कच्चे तेल की कीमतों में आई कमी से भी रुपये को बल मिला। कारोबार के दौरान एक समय रुपया 79.00 के उच्च स्तर और 79.22 के निचले स्तर पर भी रहा पर अंत में रुपया 79.02 प्रति डॉलर के अस्थायी भाव पर बंद हुआ। इस तरह रुपये में पिछले कारोबारी दिवस की तुलना में 22 पैसे की जबरदस्त बढ़त दर्ज की गई। वहीं दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.52 फीसदी नीचे आकर 105.34 पर खिसक गया। इससे वैश्विक बाजार में डॉलर की मजबूती को थोड़ा झटका लगा। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड भी 1.21 प्रतिशत गिरकर 102.71 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गया। जानकारों के अनुसार निवेशकों के सकारात्मक रुख के साथ ही कच्चे तेल की कीमत में गिरावट और डॉलर में कमजोरी आने के बीच रुपये की विनिमय दर में मजबूती आई है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर 36 रुपए सस्ता

नई दिल्ली ।

रसोई गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है लेकिन कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कमी की गई है। 19 किलो वाला कमर्शियल गैस सिलेंडर सोमवार से 36 रुपए सस्ता हो गया है। इस कटौती के बाद दिल्ली में इसकी कीमत 1976.50 रुपए रह गई है। इससे पहले यह 2012.50 रुपए में मिल रहा था। लगातार दूसरे महीने कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में कमी की गई है। इससे पहले एक जून को इसकी कीमत में 135 रुपए की कटौती की गई थी। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में कमी होने से बाहर खाना-पीना सस्ता हो सकता है। होटल, रेस्त्रां और ढाबों में इसका इस्तेमाल होता है। कोलकाता में 19 किलो वाला सिलेंडर पहले 2132.00 रुप रुपए में मिलता था, लेकिन एक अगस्त से यह 2095.50 रुपए में मिल रहा है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत घटकर 1936.50 और चेन्नई में 2141 रुपए रह गई है। हालांकि 14.2 किलो वाले सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसकी कीमत में 19 जून को 3.50 रुपए का इजाफा हुआ था। दिल्ली 14.2 किलो वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 1003 रुपए, मुंबई में 1002.50 रुपए, कोलकाता में 1029 रुपए और चेन्नई में 1018.50 रुपए में मिल रहा है। मई में इसकी कीमत दो बार बढ़ी थी। सात मई को रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 50 रुपए बढ़ाई गई थी। इससे पहले एक अप्रैल को 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में भारी बढ़ोतरी हुई थी। उस दिन इसका दाम 249.50 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा था। इसके बाद दिल्ली में इस सिलेंडर का दाम 2253 रुपए हो गया था। इसके बाद एक मई 2022 को भी कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के भाव में 104 रुपए प्रति सिलेंडर का इजाफा कर दिया था। उसके बाद 19 किलो वाले वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर का दाम बढ़कर 2,355 रुपए प्रति सिलेंडर पहुंच गया था।

श्रीलंका में खाद्य उत्पाद एवं ईंधन महंगा होने से बढ़ी मुद्रास्फीति

कोलंबो । आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में मुद्रास्फीति जुलाई महीने में बढ़कर 60.8 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई। खाद्य उत्पादों एवं ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रहने से मुद्रास्फीति बढ़ी है। श्रीलंका के सांख्यिकीय विभाग ने एक बयान में जुलाई के आंकड़े जारी करते हुए कहा कि एक साल पहले की तुलना में इस महीने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 60.8 प्रतिशत पर पहुंच गई। एक महीना पहले जून में यह 54.6 प्रतिशत पर थी। श्रीलंका में जरूरी वस्तुओं की खरीदारी के लिए भी समुचित विदेश मुद्रा नहीं होने से हालात काफी खराब हो चुके हैं। विदेशी मुद्रा भंडार के अभाव में खाद्य पदार्थों और ईंधन की कमी का संकट बना हुआ है। जनगणना एवं सांख्यिकीय विभाग ने कहा कि जुलाई में खाद्य मुद्रास्फीति सालाना आधार पर 90.9 प्रतिशत हो गई जबकि जून में यह 80.1 प्रतिशत रही थी।

पेट केयर कारोबार में बड़ी एफएमसीजी कंपनियां भी करेंगी प्रवेश

- पेट केयर उद्योग वर्ष 2025 तक 10,000 करोड़ रुपए का आंकड़ा छू लेगा

नई दिल्ली ।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के बाद लोगों में पालतु पशु रखने की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए नेस्ले इंडिया और इमामी जैसी दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली बड़ी कंपनियां भी इस क्षेत्र में कदम रख रही हैं। एक अनुमान के मुताबिक भारत में पशुओं की देखभाल (पेट केयर) का उद्योग वर्ष 2025 तक 10,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को छू लेगा। पालतू पशुओं के भोजन का बाजार अभी करीब 4,000 करोड़ रुपए का है और अगले पांच वर्ष में इसमें उल्लेखनीय वृद्धि का अनुमान है। इस क्षेत्र में दो प्रमुख कंपनियां मार्स पेटकेयर और हिमालय वैलनेस कंपनी हैं। मार्स पेटकेयर वैश्विक कंफेक्शनरी कंपनी मार्स इंक की इकाई है। पिछले हफ्ते नेस्ले इंडिया ने प्यूरिना पेटकेयर इंडिया के पालतू पशुओं के खाद्य पदार्थ कारोबार का 123.5 करोड़ रुपए में अधिग्रहण किया था। वहीं जुलाई की शुरुआत में इमामी ने भी पेट केयर से जुड़ी स्टार्टअप कंपनी कैनिस ल्यूपस सर्विसेज इंडिया में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। मार्स पेटकेयर इंडिया के प्रबंध निदेशक सलिल मूर्ति ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते पेट केयर बाजारों में से एक है। इस वृद्धि की वजह बढ़ती आय, एकल परिवार और पालतू पशुओं और उनके मालिकों के प्रति बदलता दृष्टिकोण है। कहा कि घरेलू स्तर पर तैयार होने वाले पशुओं के भोजन का बाजार 2021 तक 4,000 करोड़ रुपये का था और इसके अगले पांच वर्ष में उल्लेखनीय वृद्धि करने की उम्मीद है। मूर्ति ने कहा कि भारत में पेट फूड बाजार 2021 में अनुमानित 43.4 करोड़ डॉलर का था और इसके 2025 तक 135.6 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। बीते दशक में इस उद्योग ने सालाना आधार पर 15 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर्ज की है।

आईटीआर जमा करने की आखिरी तारीख को 63.47 लाख ने भरे रिटर्न

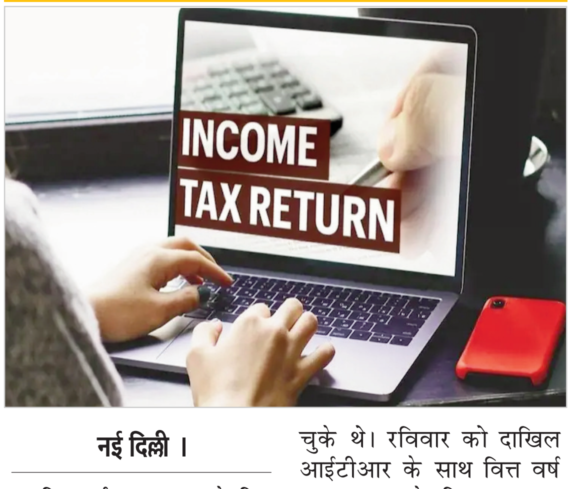

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) जमा करने की अंतिम तारीख 31 जुलाई रविवार को रात 10 बजे तक 63.47 लाख से अधिक रिटर्न जमा किए जा चुके थे। आयकर विभाग ने आईटीआर जमा करने के लिए 31 जुलाई की अंतिम समयसीमा तय की हुई है। विभाग करदाताओं से लगातार यह अनुरोध करता रहा है कि वे विलंब शुल्क के बोझ से बचने के लिए निर्धारित समय के भीतर रिटर्न जमा कर दें। इससे पहले, 30 जुलाई तक 5.10 करोड़ से अधिक रिटर्न दाखिल किए जा चुके थे। रविवार को दाखिल आईटीआर के साथ वित्त वर्ष 2021-22 के लिए आयकर रिटर्न की कुल संख्या 5.73 करोड़ के पार जा चुकी है। आयकर रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया मध्यरात्रि तक चलेगी, जिसके बाद आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों को विलंब शुल्क देना पड़ेगा।

आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न के आंकड़ों की जानकारी देते हुए रविवार को ट्वीट किया कि रविवार रात 10 बजे तक 63,47,054 रिटर्न दाखिल किए गए और पिछले एक घंटे में 4,60,496 आरटीआर दाखिल किए गए।

राष्ट्रमंडल खेल

अचिंता शेउली ने भारत को दिलाया तीसरा गोल्ड

वेटलिफ्टिंग में शानदार प्रदर्शन

बर्मिंघम (एजेंसी)।

बर्मिंघम। अचिंता शेउली ने राष्ट्रमंडल खेलों की भारोत्तोलन स्पर्धा में भारत का स्वर्णिम अभियान जारी रखते हुए पुरूषों के 73 किलो वर्ग में नये रिकॉर्ड के साथ बाजी मारकर देश को तीसरा पीला तमगा दिलाया। इससे पहले तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू और जेरेमी लालरिननुंगा ने भारत को भारोत्तोलन में स्वर्ण दिलाये थे। पश्चिम बंगाल के 21 वर्ष के शेउली ने स्नैच में 143 किलो वजन उठाया जो राष्ट्रमंडल खेलों का नया रिकॉर्ड हैं। उन्होंने क्लीन एवं जर्क में 170 किलो समेत कुल 313 किलो वजन उठाकर राष्ट्रमंडल खेलों का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पिछले साल जूनियर विश्व भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में रजत पदक जीतने वाले शेउली ने दोनों सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट तीसरे प्रयासमें किये। मलेशिया के ई हिदायत मोहम्मद को रजत और कनाडा के शाद डारसिग्नी को कांस्य पदक मिला। उन्होंने क्रमश- 303 और 298 किलो वजन उठाया। शेउली ने जीत के बाद कहा, ''मैं इस जीत से बहुत खुश हूं। मैंने इस पदक के लिए कड़ी मेहनत की थी। मेरे भाई, मां, मेरे कोच और सेना के बलिदान से मुझे यह पदक मिला।'' उन्होंने कहा, '' यह मेरी जिंदगी में पहली बड़ी प्रतियोगिता थी और मैं इस मुकाम पर पहुंचने के लिये इन सभी का आभार व्यक्त करता हूं। यह पदक मुझे जिंदगी के हर पहलू में मदद करेगा। अब यहां से पीछे मुड़कर नहीं देखना चाहिए।'' शेउली से पूछा गया कि वह इस पदक को किसे समर्पित करना चाहेंगे, उन्होंने कहा, ''मैं इसे अपने स्वर्गीय पिता, अपनी मां और मेरे कोच विजय शर्मा को समर्पित करना चाहूंगा। मेरे कोच ने मुझे हमेशा अपने बच्चे की तरह समझा और जब भी मैं कोई गलती करता था तो वह मुझे थप्पड़ मारते थे। ''

ऑस्ट्रेलियाई तैराक मैककॉन ने रचा इतिहास, राष्ट्रमंडल खेलों की सबसे सफल खिलाड़ी बनी

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलियाई तैराक एम्मा मैककॉन ने महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में स्वर्ण जीतकर नया इतिहास रचा। वह राष्ट्रमंडल खेलों की सबसे सफल खिलाड़ी बन गई हैं। मैककॉन ने ग्लास्गो और गोल्ड कोस्ट की अपनी सफलता को आगे बढ़ाते हुए राष्ट्रमंडल खेलों में अपना कुल 11वां स्वर्ण पदक जीता जो कि नया रिकॉर्ड है। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी का बर्मिंघम खेलों में यह तीसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले उन्होंने 4×100 मीटर फ्रीस्टाइल और 4×100 मीटर मिश्रित रिले में भी स्वर्ण पदक जीता था। मैककॉन की अगुवाई में ऑस्ट्रेलिया ने महिलाओं की 50 मीटर फ्रीस्टाइल में तीनों पदक जीते। मैककॉन ने 23.99 सेकंड में दूरी पूरी की। उनकी साथी मेग हैरिस ने रजत और शायना जैक ने कांस्य पदक हासिल किया। मैककॉन के माता-पिता रॉन और सूसी भी पूर्व अंतरराष्ट्रीय तैराक हैं। उन्होंने यहां अपनी बेटी को इतिहास रचते हुए देखा। पांच बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मैककॉन ने अपने साथी ऑस्ट्रेलियाई तैराकों इयान थोर्प, सूसी ओनील और लीसेल जोन्स के राष्ट्रमंडल खेलों में जीते गए सर्वाधिक स्वर्ण पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलियाई तैराकों ने तरणताल में अपना दबदबा बनाए रखकर महिलाओं की चार गुणा 200 मीटर फ्रीस्टाइल का भी स्वर्ण पदक जीता।

राष्ट्रमंडल खेल : लॉन बॉल में भारत का रजत पदक पक्का, गोल्ड के लिए द. अफ्रीका से होगा मुकाबला

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारत का राष्ट्रमंडल खेलों की लॉन बॉल प्रतियोगिता के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला होगा। भारत ने फ़ाइनल में पहुंचकर अपने लिए कम से कम लॉन बॉल में पहला राष्ट्रमंडल पदक सुनिश्चित कर लिया है।

महिला फोर्स सेमीफाइनल में भारत ने न्यूज़ीलैंड को 16-13 से और दक्षिण अफ्रीका ने फिजी को 16-14 से पराजित किया। फाइनल मंगलवार को शाम सवा पांच बजे खेला जाएगा।

राष्ट्रमंडल महिला हॉकी: इंग्लैंड के खिलाफ होगी भारत की असली परीक्षा

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार को यहां जब इंग्लैंड से भिड़ेंगी तो उसकी नजरें बदला चुकता करने पर टिकी होंगी जबकि राष्ट्रमंडल खेलों में यह टीम की पहली बड़ी परीक्षा होगी। भारतीय टीम ने पूल ए के अपने शुरुआती दो मैच में घाना पर 5-0 और वेल्स के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज की है लेकिन सविता पूनिया की अगुवाई वाली टीम दबदबे वाला प्रदर्शन करने में नाकाम रही है।

मंगलवार को भारतीय टीम अतिरिक्त प्रेरणा के साथ उतरेगी क्योंकि यह वही इंग्लैंड टीम है जिसने तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक के प्ले आफ में उसे हराकर पदक से वंचित किया था। भारतीय टीम अपना पहला ओलंपिक पदक जीतने के करीब पहुंच गई थी लेकिन कांस्य पदक के प्ले आफ में इंग्लैंड से 3-4 से हार गई। इंग्लैंड ने ही 2018 में गोल्ड कोस्ट में पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत को पदक से महरूम कर दिया था। भारत तब कांस्य पदक के मैच में 0-6 से हार गया था। स्वाभाविक रूप से भारतीय टीम बदला लेने के लिए तैयार होगी। भारत की राह हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि उसकी नौवीं रैंकिंग के मुकाबले इग्लैंड की विश्व रैंकिंग पांच है। भारत को इस तथ्य से आत्मविश्वास मिलेगा कि उन्होंने हाल ही में स्पेन और नीदरलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विश्व कप में इंग्लैंड को 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया था। कप्तान सविता ने कहा, ''इंग्लैंड एक अच्छी टीम है और बर्मिंघम में उन्हें घरेलू हालात में खेलने का फायदा भी है। यह हमारे लिए एक चुनौतीपूर्ण मैच होगा लेकिन हम भी शुरुआती दो मैच में जीत के बाद अच्छी फॉर्म में हैं।'' उन्होंने कहा, ''हमने हाल के दिनों में इंग्लैंड के साथ खेला है इसलिए दोनों टीम एक-दूसरे के खेल को अच्छी तरह से जानती हैं। उन्होंने हमारे खिलाफ कुछ बड़े मैच भी जीते हैं इसलिए वे एक मजबूत टीम हैं लेकिन हमने अपनी तैयारी की है और यह उस दिन बेसिक्स सही रखने पर निर्भर करेगा।'' सविता ने कहा, ''यह प्रतियोगिता में एक महत्वपूर्ण मुकाबला है और हम अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।''

राष्ट्रमंडल खेल: पदक से चूके अजय सिंह, पुरुषों के 81 किग्रा मुकाबले में चौथे स्थान पर रहे

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

अपने अंतिम क्लीन एंड जर्क प्रयास में 180 किग्रा भार उठाने में विफल रहने के बाद भारतीय भारोत्तोलक अजय सिंह राष्ट्रमंडल खेलों में पुरुषों के 81 किग्रा में चौथे स्थान रहे। अजय सिंह ने 319 किलोग्राम की संयुक्त लिफ्ट के साथ इवेंट का समापन किया, जिसमें स्नैच श्रेणी में 143 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 176 किलोग्राम भार शामिल हैं। इंग्लैंड के क्रिस मरे ने राष्ट्रमंडल खेलों में रिकॉर्ड तोड़ 325 किलोग्राम संयुक्त भारोत्तोलन के साथ स्वर्ण पदक जीता।

ऑस्ट्रेलिया के काइल ब्रूस ने संयुक्त रूप से 323 किग्रा भार उठाकर रजत पदक जीता, जबकि कनाडा के निकोलस वाचोन ने 320 किग्रा के अपने संयुक्त भारोत्तोलन के लिए कांस्य पदक जीता। अजय सिंह ने अपने पहले स्नैच प्रयास में प्रभावशाली 137 किग्रा भार उठाया, जिसने उन्हें शीर्ष पर धकेल दिया। अपने दूसरे प्रयास में उन्होंने 140 किग्रा भार उठाकर बेहतर प्रदर्शन किया। सिंह ने अपने अंतिम प्रयास में 143 किलोग्राम भार उठाकर स्नैच इवेंट का समापन किया। स्नैच इवेंट के अंत में इंग्लैंड के क्रिस मरे 144 किग्रा वजन के साथ आगे चल रहे थे जबकि सिंह और ऑस्ट्रेलिया के काइल ब्रूस 143 किलो का सर्वश्रेष्ठ भार उठाया।

सिंह के पास काइल पर बढ़त थी क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई अपने दो प्रयासों में विफल रहा था जबकि भारतीय के तीनों प्रयास सफल रहे थे। जमैका के ओमेरी मिअर्स ने क्लीन एंड जर्क में पहले प्रयास में 141 किलो वजन उठाया और 267 किलो की संयुक्त बढ़त हासिल की। उन्होंने अपने दूसरे प्रयास में 147 किग्रा भार उठाकर खुद को बेहतर बनाया जिससे उनका संयुक्त भार 273 किग्रा हो गया। अजय सिंह ने अपने पहले क्लीन एंड जर्क प्रयास में 172 किलोग्राम वजन उठाया। इससे उन्हें 315 किलो का संयुक्त भार मिला। वह कुछ समय के लिए स्वर्ण पदक की स्थिति में थे। लेकिन फिर मरे आए जिन्होंने अपने पहले प्रयास में 174 किग्रा भार उठाया और 318 किग्रा का संयुक्त भार उठाया।

मरे के बाद ब्रूस ने अपने पहले प्रयास में प्रभावशाली 175 किग्रा भार उठाया और 318 किग्रा का संयुक्त भार उठाया। इसने सिंह को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। अपने दूसरे प्रयास में भारतीय ने प्रभावशाली 176 किग्रा भार उठाया। इसने उन्हें मरे और ब्रूस से सिर्फ एक किलो आगे, 319 किग्रा का संयुक्त भार उठाया। इसके बाद मरे अपने दूसरे प्रयास में 178 किग्रा भार उठाकर आगे निकले जिससे उनका संयुक्त भार 322 किग्रा हो गया। ब्रूस ने अपने संयुक्त भार को बढ़ाकर 323 किलोग्राम करने के अपने दूसरे प्रयास में 180 किग्रा का शानदार भार उठाया।

मुक्केबाज अमित पंघाल का राष्ट्रमंडल खेलों में विजयी आगाज, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

बर्मिंघम। भारतीय मुक्केबाज अमित पंघाल ने हुए राष्ट्रमंडल खेलों में सोमवार को यहां पुरुषों के फ्लाइवेट (51 किग्रा) वर्ग में अपने अभियान की शुरुआत आसान जीत के साथ करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता पंघाल ने वानुअतु के नामरी बेरी को सर्वसम्मत फैसले से हराया। टोक्यो ओलंपिक में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे पंघाल ने मुकाबले के तीनों दौर में अपना दबदबा बनाए रखा। उन्होंने बेरी से दूरी बनाए रखते हुए दाएं और बाएं मुक्कों के अपने संयोजन का प्रभावी इस्तेमाल किया। मुकाबले में वापसी के लिए बेरी को पंघाल के सामने आने के लिए मजबूर होना पड़ा लेकिन भारतीय मुक्केबाज के कौशल के सामने वह कहीं नहीं ठहरे। शुरुआती दो दौर में पंघाल के मुक्कों की झड़ी का बेरी के पास कोई जवाब नहीं था। मुकाबले में पकड़ बनाने के बाद तीसरे दौर में पंघाल ने रक्षात्मक रवैया अपनाया, जिससे वह आगे की कठिन चुनौतियों के लिए अपनी ऊर्जा को बचा सके। पंघाल अपने दूसरे राष्ट्रमंडल खेल पदक हासिल करने से एक जीत दूर हैं। उन्होंने पिछले सत्र

भारत की महिला कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस मामले में धोनी, रोहित और विराट को भी पछाड़ा, पाक के खिलाफ बनाए ये रिकॉर्ड

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ 8 विकेट से शानदार जीत हासिल की। मैच की ओपनिंग स्मृति मंधाना ने की और इसमें उन्होंने शानदारी पारी खेली। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत की अब सेमीफाइनल में खेलने की उम्मीद है। बता दें कि पाकिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद हरमनप्रीत दिग्गज पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी, रोहित शर्मा और विराट कोहली को इस मामले में पछाड़ दिया है।

हरमनप्रीत कौर ने बनाया ये रिकॉर्ड

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टी-20 क्रिकेट की कुल 42वीं जीत दर्ज की गई और इसी के साथ हरमनप्रीत सबसे सफल भारतीय कप्तान बन गईं हैं। वहीं धोनी की कप्तानी में भारत ने 71 मुकाबले खेले जिसमें से टीम इंडिया की 41 जीत दर्ज हुई। विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने 30 मैच और रोहित की कप्तानी में 27 ही मैच जीते हैं। 33 साल की हरमनप्रीच कौर ने अपनी कप्तानी से इन तीनों दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ दिया है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत और पाकिस्तान का मैच काफी रोमांचक भरा रहा। पाकिस्तान ने भारत को जीतने के लिए 100 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे टीम इंडिया ने 2 विकेट गंवाकर आसानी से जीत हासिल कर ली। भारत की ओर से स्मृति मंधाना ने तूफानी पारी खेली तो गेंदबाजों ने भी कमाल करके दिखा दिया। राधा यादव और स्नेह राणा को दो-दो विकेट चटकाए। वहीं, शेफाली वर्मा, मेघना सिंह और रेणुका सिंह ने 1-1 विकेट लिया। मंधाना की बात करे तो उन्होंने सबसे ज्यादा रन बनाए। मंधाना ने 42 गेंदों पर 63 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने 8 चौके और 3 छक्के जड़े।

इंग्लैंड ने जर्मनी को हराकर महिला यूरो चैंपियनशिप का खिताब जीता

लंदन। इंग्लैंड ने अतिरिक्त समय तक चले मैच में जर्मनी को 2-1 से हराकर महिला यूरोपीय चैंपियनशिप फुटबॉल प्रतियोगिता का खिताब जीता। जब लग रहा था कि इंग्लैंड उम्मीदों के दबाव में आ जाएगा तब चोले केली ने 110वें मिनट में गोल दागा जो निर्णायक साबित हुआ। केली के गोल के पहले इंग्लैंड के खिलाड़ी काफी थके हुए नजर आ रहे थे और उन्हें जर्मनी के स्थानापन्न खिलाड़ियों के सामने जूझना पड़ रहा था। निर्धारित समय तक मैच 1-1 से बराबरी पर था। इंग्लैंड की तरफ से इला टूने ने 62वें मिनट में गोल किया जबकि जर्मनी के लिये लिना मागुल ने 79वें मिनट में बराबरी का गोल दागा।

दक्षिण अफ्रीका बनाम इंग्लैंड : दक्षिण अफ्रीका ने बड़ी जीत से टी20 श्रृंखला पर किया कब्जा

साउथपटन (एजेंसी)।

रीजा हेंड्रिक्स और एडेन मार्कराम के अर्धशतकों और स्पिनर तबरेज शम्सी के पांच विकेट की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में इंग्लैंड पर 90 रन की बड़ी जीत दर्ज करके तीन मैचों की श्रृंखला 2-1 से अपने नाम की। दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड के सामने 192 रन का लक्ष्य रखा था लेकिन उसकी टीम 16.4 ओवर में केवल 101 रन पर आउट हो गई। यह उसकी इस प्रारूप में सबसे बड़ी हार में एक है। तबरेज शम्सी ने 24 रन देकर पांच विकेट लिए जबकि उनके साथी स्पिनर केशव महाराज ने 21 रन देकर दो विकेट हासिल किए। इंग्लैंड की तरफ से जॉनी बेयरस्टो ने सर्वाधिक 27 रन बनाए। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 191 रन बड़ा स्कोर खड़ा किया था। उसकी तरफ से हेंड्रिक्स ने 70 और मार्कराम ने नाबाद 51 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए डेविड विली ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए।

शतरंज को बढ़ावा देने के लिए पानी के नीचे हुआ मुकाबला

चेन्नई। शतरंज ओलिम्पियाड के 44वें सत्र के दौरान रोमांच का एक नया आयाम देखने को मिला जब स्कूबा गोताखोरों और इन खेलों के शुभंकर 'थांबी' ने समुद्र में गोता लगाकर शतरंज की बाजी खेली।

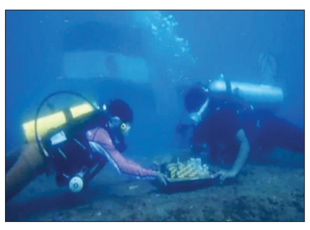

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के आयोजन का जश्न मनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए बहुत सारी गतिविधियों का आयोजन किया गया है जिसमें समीप के मामल्लपुरम में शीर्ष खिलाड़ी अपने देश को खिताब दिलाने के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो गया है जिसमें स्कूबा गोताखोरों का एक समूह समुद्र में गोता लगाता है और वे पानी के नीचे शतरंज खेल रहे हैं। गोताखोरों में से एक को ओलंपियाड के शुभंकर 'थांबी' की तरह तैयार किया गया था। इनमें से कम से कम चार गोताखोरों ने पानी के अंदर शतरंज खेला। इस दौरान 'थांबी' ने शतरंज के बोर्ड की तरह की सफेद और काले रंग की धोती पहनी थी। गोताखोरों ने ओलिम्पियाड और भारतीय तिरंगे का एक बैनर अपने साथ रखा था।

राष्ट्रमंडल खेल: भारतीय टेबल टेनिस में नया विवाद, महिलाओं के मैचों में मौजूद रहा पुरुष कोच

बर्मिंघम (एजेंसी)।

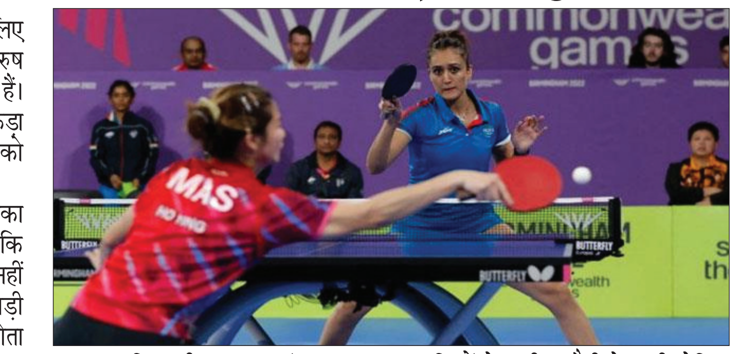

भारतीय टेबल टेनिस टीम में फिर से नया विवाद पैदा हो गया है और इस बार यह उसके राष्ट्रमंडल खेलों के अभियान के बीच में सामने आया है। महिला टीम स्पर्धा में मौजूदा चैंपियन के रूप में टूर्नामेंट में भाग ले रहे भारत को क्वार्टर फाइनल में मलेशिया ने उलटफेर का शिकार बनाया। दोनों टीमों में इतना अंतर था मलेशिया के कुछ खिलाड़ी तो विश्व रैंकिंग में भी शामिल नहीं हैं।

भारतीय टीम की नामित महिला कोच अनिंदिता चक्रवर्ती नॉक आउट चरण के इस मैच के दौरान अनुपस्थित रही, जिससे कई सवाल उठने लगे। उनके बजाय पुरुष टीम के कोच एस रमन कोर्ट के पास में बैठे हुए थे। भारतीय टेबल टेनिस संघ का संचालन कर रही प्रशासकों की समिति के एक सदस्य एसडी मुदगिल ने कहा, 'ऐसा नहीं होना चाहिए था। महिलाओं के मैच के दौरान महिला कोच को ही उपस्थित होना चाहिए था। मैं इस मामले में टीम के साथ बात करूंगा।'

मुदगिल को टीम मैनेजर के रूप में भारतीय टीम के साथ बर्मिंघम में होना चाहिए था लेकिन खेल मनोचिकित्सक गायत्री वर्ताक को टीम से जोड़ने के लिए वह भारत में ही रुके रहे। रमन पुरुष खिलाड़ी जी साथियान के निजी कोच हैं। क्वार्टर फाइनल मुकाबला जब बेहद कड़ा हो गया था तब रमन को रीत ऋष्य को कोचिंग देते हुए देखा गया।

इस अप्रत्याशित हार के बाद मनिका बत्रा की अगुवाई वाली टीम यहां तक कि मीडिया से बात करने के लिए भी नहीं रुकी जो कि इस तरह की बड़ी प्रतियोगिताओं में मानक प्रोटोकॉल होता है। रमन ने मुकाबले के बाद कहा, 'यह बेहद करीबी मुकाबला था। हमारे लिए संयोजन पूरी तरह से भिन्न था। एक रक्षात्मक खिलाड़ी, एक बाएं हाथ का खिलाड़ी और दाएं हाथ का खिलाड़ी का संयोजन हमारे लिए चुनौतीपूर्ण था। लड़कियों ने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन आज का दिन हमारा नहीं था।'

कोहनी के इलाज के लिए अभी इंग्लैंड में ही रहेंगे संकेत

बर्मिंघम । बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक विजेता भारतीय भारोत्तोलक भारोत्तोलक संकेत महादेव सरगर अभी इलाज के लिए इंग्लैंड में ही रहेंगे। टीम प्रबंधन के अनुसार संकेत को वजन उठाने के दौरान कोहनी में चोट लग गयी थी जिसका इलाज अभी वह यहीं रहकर करायेंगे क्योंकि यहां बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हैं। संकेत जब पदक वितरण समारोह में आए थे तब भी उनके उनके दाहिने हाथ में पट्टियां बंधी थी। टीम प्रबंधन के अनुसार ऐसे में दो ही रास्ते थे। पहला ये कि वह स्वदेश लौटकर इलाज करायें यह फिर यहीं रहकर इलाज करवायें। उनकी चोट को देखते हुए शुरुआती परीक्षण के बाद यह सामने आया कि इंग्लैंड में रहकर इलाज कराना ही बेहतर रहेगा।

लेटेस्ट ट्रेंड के हिसाब से सजाएं बच्चों का कमरा

घर सजाने में भले ही कम समय लगता हो लेकिन बच्चे का कमरा डैकोरेट करते समय बहुत कुछ सोचना पड़ता है। छोटे बच्चे शरारती होते है इसलिए उनके कमरे को उनकी आदतों के अनुसार ही सजाना पड़ता है। कमरे की डैकोरेशन ऐसी होनी चाहिए जिसमे वह आसानी से छोटे-छोटे खेलों को खेल सके इसके अवाला बेड की ऊंचाई भी ध्यान में रखनी चाहिए ताकि बच्चे आराम से अपने कमरे में रह सकें। आज हम आपको बच्चों के कमरे के लेटेस्ट डिजाइन दिखाएंगे जो कि अरामदायक और देखने में खूबसूरत है। अगर आप भी बच्चों के कमरे की डैकोरेशन को लेकर परेशान हैं तो यहां से आइडिया ले सकते हैं।

अगर आपका बच्चा थोड़ा चंचल स्वभाव का है तो इस तरह से कमरे को सजा सकते हैं। बैड के इर्द- गिर्द बच्चे के पसंदीदा रंग के पर्दे लगाएं। इसके साथ ही बेड पर खिलौने भी रख सकते हैं। इस तरह से सजा कमरा बच्चे को बेहद पसंद आएगा।

कुछ बच्चे बेहद शांत स्वभाव के होते हैं। उनके लिए सिंपल तरके से सजा कमरा बैस्ट ऑप्शन है। अगर आपके घर में दो बच्चे हैं तो दोनों के एक ही कमरे में अलग- अलग बेड दें ताकि उनको सोने में परेशानी न हो।

लाल, नीला और पीले रंग का कॉम्बिनेशन बच्चों को बेदह प्यारा लगता है। आप डबलबेड भी बच्चों के कमरे में लगा सकते हैं। मगर ध्यान रहें की बड़े बच्चे को ऊपर और छोटे को नीचे सोने को कहें।

बच्चे को कमरे को अलग रूप देने के लिए इस तरह के फनी रंगो से सजाएं। अगर आप चाहें तो इस पर कोई अच्छी सी चित्रकारी भी करवा सकती हैं।

जिन बच्चो को जंगली जानवर अच्छे लगते हैं उनके लिए आप जू ट्रिप थीम वाला कमरा सजा सकती हैं। इस तरह से डैकोरेट रूम बच्चे को बेहद अच्छा लगेगा।

बच्चे के कमरो को खिलौने से इस तरह से सजा सकती हैं। कमरे में इस तरह रखे खिलौने देखे में बेहद प्यारे लगेगें।

आजकल 3D आर्ट डेकोर स्टाइल बहुत चलन में है। बच्चों को भी कमरे की इस तरह की सजावट बेहद अच्छी लगती है।

याद रखें ये छोटे-छोटे नुस्खे बच्चे से हर समस्या रहेगी दूर

भले ही आप बच्चे की परवरिश में कोई कसर न छोड़ें, लेकिन लाख सावधानियां बरतने के बाद भी कोई न कोई गलती हो ही जाती है। बच्चों की परवरिश करना आसान काम नहीं है क्योंकि बच्चे बेहद नाजुक और संवेदनशील होते हैं। बदलते मौसम में उन्हें सर्दी, खांसी और त्वचा संबंधी कई प्रॉबल्म भी हो सकती है। ऐसे में उन्हें खास केयर की जरूरत होती है, ताकि उन्हें इन परेशानियों से बचा कर रखा जा सकें।

अक्सर छोटे बच्चे बीमार होते है तो सबसे ज्यादा मां टेंशन में पढ़ जाती है, उनकी सेहत सुधारने में लगी रहती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि छोटी-छोटी बीमारियों के लिए बच्चों को डॉक्टर के पास ले जाया जाए, बल्कि आप कुछ छोटे-छोटे नुस्खे इस्तेमाल करके भी बच्चे को इन परेशानियों से बचाए रख सकते है। आज हम आपको बच्चों की सेहत दुरुस्त रखने के कुछ टिप्स बताएंगे, जो हर मां को पता होने चाहिए।

शरीर में खुजली

अगर बच्चे की शरीर में खुजली हो रही है तो उसके नहाने के पानी में ओट्स मिला दें। यह उन बच्चों के लिए भी काफी मददगार है, जिन्हें चिकनपॉक्स की समस्या रहती है। खुजली से राहत मिलती है।

सर्दी भगाएं हल्दी-दूध

बच्चों को जल्दी सर्दी लग जाती है। ऐसे में उसे दूध में हल्दी मिलाकर पिलाएं। इससे बच्चों को काफी राहत मिलेगी।

हिचकी आने पर चीनी

जब बच्चे की हिचकियां रूकने का नाम ही नहीं लेती तो मां अक्सर चिंता में पड़ जाती है। इस तरह की परेशानी में परेशान न हो बल्कि बच्चे को एक चम्मच चीनी खिला दें। चीनी खाने से डायफरग्राम की मांसपेशियों को राहत मिलती है और हिचकी रुक जाती है।

गले में खराश

अगर बच्चे के गले में खराश और दर्द है तो उसे 1 चम्मच शहद चटाएं। इससे गले की खराश पैदा करने वाले कीटाणुओं को संमाप्त होते है और यह स्वाद में मीठा होने के कारण बच्चों को पसंद भी बेहद आता है।

पाचन क्रिया दुरुस्त

अगर बच्चे का हाजमा खराब है तो भी बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में बच्चों को नींबू चटाएं, इससे दस्त की समस्या दूर रहेगी क्योंकि नींबू में साल्विया के निर्माण में कमी आती है और दस्त में आराम मिलता है।

बचपन में ही बच्चे को सिखाएं बचत की अहमियत

आपको पैसे की कमी हो या न हो बच्चों को पैसे की अहमियत समझानी बहुत जरूरी बात है ताकि आगे जाकर उन्हें अपनी जिंदगी में फाइनेशियल प्रॉब्लम न आएं। उन्हें पैसे की बचत करने की आदत डालनी चाहिए। आप उन्हें यह आदत अपनी मेहनत की बातें बता कर भी डाल सकते हैं। पढ़ाने-लिखाने के साथ उन्हें यह समझाना बहुत जरूरी है कि पैसा कमाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है। ये बातें उन्हें बचपन से ही सिखानी चाहिए ताकि आपको भविष्य में उनकी कोई परेशानी न हो। बचत की आदत से उनकी जिंदगी परफैक्ट हो सकती हैं। वह अपने हर सपने का पूरा कर सकते हैं। आइए जानिए आप उन्हें किन बातों द्वारा बचत की आदत डाल सकते हैं।

अपनी मेहनत करने की बातें बताएं

बच्चों को बचत की आदत डालने के लिए उन्हें यह बताना बहुत जरूरी होता कि पैसा किस तरह से मेहनत करके कमाया जाता है। आप उन्हें यह जरूर बताएं कि आप किस तरह मेहनत करके एक-एक पैसा जोड़ते हैं। इसके लिए उन्हें शुरू से मेहनत करने की आदत डालें। उनसे घर के छोटे-छोटे काम करवाएं। इस तरह उन्हें भी मेहनत करने की आदत पड़ेगी और पैसे की अहमियत समझ आएगी।

पॉकेट मनी से बचत करें

बच्चों को पॉकेट मनी से बचत करने की आदत डालें। इस आदत के लिए उन्हें यह लालच दें कि बचाए हुए पैसे से वह अपनी मनपसंद की चीज खरीद सकते हैं या फिर कभी जरूरत पड़ने पर खर्च कर सकते हैं।

जरूरत और चाहत में फर्क बताएं

बचत करने की आदत डालने के लिए बच्चों को जरूरत और चाहत में फर्क बताना बहुत जरूरी है। उन्हें यह बताए कि जरूरत के अनुसार ही किसी भी चीज को खरीदें। चाहत तो बहुत कुछ पाने की होती है। उन्हें पैसे देकर अकेले खरीददारी करने के लिए भेजे और देखें कि वह किस तरह जरूरत के अनुसार चीजें खरीदते हैं, अगर वह कोई एक्सट्रा चीज खरीदते हैं तो उसे डांटने की बजाय समझाएं।

बचत से हेल्प करनी सिखाएं

बचत करने की आदत बच्चे में स्वार्थ की भावना भी पैदा कर सकती है इसलिए उसे जमा किए पैसे से किसी भी जरूरतमंद की मदद करनी सिखाएं। आपको जरूरत हो या न हो शुरू से ही उनसे कभी-कभी अपने लिए मदद लें।

गिफ्ट दें

बच्चों को उनके बचाएं पैसे से उनके पसंदीदा गिफ्ट लाकर दें, जिसे देख कर वह खुश हो जाएंगे और उन्हें बचत करने की आदत पड़ेगी।

बच्चों की डाइट में शामिल करें ये जूस, दिमाग होगा तेज

मां- बाप यही चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ने में होशियार हो ताकि वह दुनिया के साथ कदम से कदम मिलकार चल सके। आजकल तो वैसे भी फाइनल एग्जाम चल रहें। मां- बाप इस समय बच्चों की डाइट का खास ध्यान रखते हैं ताकि उनको अच्छे से अच्छे नंबर मिलें। मगर कई बार बच्चा कोशिश करने के बाद भी पेपर के समय सब कुछ भूल जाता है। अगर आप भी चाहती हैं कि बच्चे का दिमाग तेज हो और वह अच्छे नंबरों के साथ पास हो तो उनको डाइट में ये ड्रिंक जरूर शामिल करें। इनको पीने से कुछ दिनों में बच्चे कि स्मरण शक्ति बढ़ जाएगी।

अनार का जूस

अनार में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते है जो ब्रेन सेल्स को खराब होने से बचाता है। अगर आपका बच्चा पढ़ाई लिखाई में थोड़ा सा कमजोर है तो रोजाना उसको अनार का जूस पीने को दें। लगातार अनार का जूस पीने से कुछ दिनों में आपको अपने बच्चे में फर्क दिखाई देने लेगा।

बादाम शेक

बादाम में प्रोटीन काफी मात्रा में होता है जो ब्रेन की ग्रोथ बढ़ाने में फायदेमंद होता है। रोजाना ये शेक पीने से बच्चे का दिमाग तेज होने के साथ ही उसका पेट भी सही रहता है।

एलोवेरा जूस

इसमें विटामिन B6 बहुत ज्यादा पाया जाता है। इसको पीने से यादाशत तेजी से बढ़ती है। ये पीने में टेस्टी नहीं होता मगर बच्चे के दिमाग के लिए बेस्ट टॉनिक होता है। अगर आपका बच्चे को उसका स्वाद पसंद नही आता तो आप अमरूद के जूस में एलोवेरा मिलाकर दे सकते हैं।

ग्रीन टी

ग्रीन टी पॉलीफेनॉल्स का गुण होता है जो दिमाग को शार्प करने के साथ ही इसको फ्रेश रखने का काम भी करता है।

संतरे का जूस

संतरे में फ्लेवोनाइट्स होते है जो दिमाग को एक्टिव रखता है। एक गिलास संतरा का जूस पीने से बच्चा को पूरा दिन उत्साह के साथ गुजरेगा।

चुकंदर का जूस

चुकंदर का जूस पीने से ब्लड सर्कुलेशन तेजी से होने लगता है। यह जूस दिमाग को तेज करने के साथ ही डेमेंशिया यानी मेमोरी लौस से भी बचाता है।

टमाटर का जूस

टमाटर में विटामिन डी, सी और ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह जूस त्वचा में निखार लाने के साथ ही दिमाग भी तेज करता है।

नारियल पानी

गर्मियों के मौसम में नारियल पानी से पूरा शरीर तरोताजा रहता है। मगर बहुत कम लोगों को पता होगा कि इसको रोजाना पीने से दिमाग तेज होने के साथ ही एकाग्रता भी बढ़ती है।

पंजाब में पूरे साल की फ्री बिजली का खर्च निकल आया अरविंद केजरीवाल ने बताया गणित

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने जिस 'दिल्ली मॉडल' की बात करके पंजाब में बड़ी जीत हासिल की उसमें 'फ्री बिजली' का भी बड़ा हाथ है। अब गुजरात में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा है आम आदमी पार्टी की राज्य में सक्रियता भी बढ़ रही है। गुजरात में भी सीएम केजरीवाल ने कहा था कि गुजरात में किस तरह से आम लोगों को मुफ्त में बिजली दी जा सकती है. इसका उपाय ढूंढकर आऊंगा। हालांकि अरविंद केजरीवाल के फ्री के वादों को लेकर अन्य पार्टियां सवाल भी खड़ी करती रही हैं। पंजाब में भी इसको लेकर सवाल पूछे जाते हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक ट्वीट को रीट्वीट करते हुए बताया कि कैसे वह अपने 'फ्री बिजली' के वादे को पूरा करेंगे। ट्विटर पर @anuragdhanda नाम के यूजर ने लिखा, 'पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने का असर देखिए। पिछले साल पहली तिमाही में 15000 करोड़ टैक्स मिला था सरकार को, इस बार 21000 करोड़ का टैक्स मिला है। ईमानदार राजनीति ही भविष्य है, पैसे की कोई कमी नहीं है सरकार में।' बता दें कि यह ट्विटर अकाउंट वेरिफाइड नहीं है और न ही इस टैक्स कलेक्शन के डेटा का कोई सोर्स बताया गया। अरविंद केजरीवाल ने इसी ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, 'पंजाब के लोगों की बिजली फ़्री करने का पूरा साल का खर्च निकल आया। ये पार्टियाँ और नेता पूछ रहे थे कि पैसा कहाँ से आयेगा, सरकार घाटे में चली जाएगी। ईमानदारी से काम करो तो पैसे की कमी नहीं होती। सरकारें भ्रष्टाचार करने से घाटे में जाती हैं, जनता को सुविधाएँ देने से नहीं। बता दें कि पंजाब में भगवंत मान की कैबिनेट ने हर बिल पर 600 यूनिट बिजली फ्री देने के फैसले पर मुहर लगा दी है। पंजाब में दो महीने का बिल एक साथ आता है। विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी न फ्री बिजली देने का वादा किया था। राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार लोगों को 200 यूनिट फ्री बिजली देती है। इसके बाद 400 यूनिट तक आधी छूट दी जाती है।

गुजरात में ड्रग-शराब माफिया को आखिर कौन दे रहा संरक्षण: राहुल गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात में कुछ महीनों में की गई मादक पदार्थों की बरामदगी और जब्ती को लेकर सोमवार को केंद्र एवं राज्य सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि डबल इंजन सरकार में कौन लोग हैं जो राज्य में मादक पदार्थ माफिया और शराब माफिया को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में कानून व्यवस्था है या फिर 'माफिया की सरकार' है? राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पिछले साल 21 सितंबर को 21,000 करोड़ रुपये के 3000 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए। गत 22 मई को 500 करोड़ रुपये के 56 किलोग्राम और 22 जुलाई को 375 करोड़ रुपये के 75 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए।'

कांग्रेस नेता ने सवाल किया, 'डबल इंजन सरकार में बैठे कौन लोग हैं जो लगातार मादक पदार्थ माफिया और शराब माफिया को संरक्षण दे रहे हैं? गुजरात के युवाओं को नशे में क्यों धकेला जा रहा है?' उन्होंने यह भी पूछा, 'एक ही बंदरगाह पर तीन-तीन बार मादक पदार्थ बरामद होने के बावजूद, उसी बंदरगाह पर लगातार मादक पदार्थ की खेप कैसे उतर रही है? क्या गुजरात में कानून व्यवस्था ख़त्म हो गई है? माफिया को कानून का कोई डर नहीं? या ये माफिया की सरकार है?' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने ट्वीट किया, 'गुजरात में एक ही बंदरगाह से तीन बार लगभग 22000 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ बरामद हुआ। मीडिया में चुप्पी, सरकार में सुस्ती, सरकार की सारी एजेंसियां सन्नाटे में। भाजपा सरकार की नाक के नीचे से माफिया पूरे देश में मादक पदार्थ बांट रहे हैं। कानून व्यवस्था असहाय है या माफिया से मिलीभगत है?'
गौरतलब है कि गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने पिछले महीने कच्छ जिले के मुंद्रा बंदरगाह के पास एक कंटेनर से करीब 75.3 किलोग्राम हेरोइन जब्त की, जिसकी कीमत 376.5 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने पिछले साल सितंबर में मुंद्रा बंदरगाह पर दो कंटेनरों से लगभग 3,000 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी, जिसके बारे में माना जाता है कि यह अफगानिस्तान से आई थी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 21,000 करोड़ रुपये थी। इस साल मई में डीआरआई ने मुंद्रा बंदरगाह के पास एक कंटेनर से 56 किलोग्राम कोकीन जब्त की थी, जिसकी कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये थी। वहीं, अप्रैल में डीआरआई ने कच्छ में कांडला बंदरगाह के पास एक कंटेनर से लगभग 1,439 करोड़ रुपये की 205.6 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। इन मामलों में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

संपत्ति विवाद में ललित मोदी और उनकी मां के बीच मध्यस्थता करेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी हालही में बॉलीवुड कन्या सुष्मिता सेन से रिश्तों को लेकर चर्चा में थे और अब उनका ताजा विवाद अपनी मां के साथ संपत्ति विवाद को लेकर हो रहा है। सोमवार को एक बार फिर इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की गई। संपत्ति विवाद से जुड़े इस मामले में ललित मोदी की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे कोर्ट में मौजूद हुए तो वहीं उनकी मां और बहन की तरफ से कपिल सिब्बल दलील दे रहे थे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता के लिए जस्टिस आरवी रवींद्र को नियुक्त किया है। सुनवाई के दौरान हरीश साल्वे ने कहा कि उन्होंने एक आवेदन दिया है। साल्वे ने आगे कहा कि इस मामले में दो साल में कोई बैठक नहीं हुई है। आज बदले हुए हालात में ललित मोदी और समीर मोदी (भाई) एक तरफ हैं तो दूसरी तरफ उनकी मां और बहन हैं। केस को 3 अगस्त के लिए लिस्ट कर दिया गया है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने पूछा कि क्या सभी इस केस में सुलह के लिए तैयार हैं। इस पर सिंघवी ने कहा कि मध्यस्थता के लिए यथास्थिति बनाए रखने की आवश्यकता है। बेंच ने आगे कहा कि हम सिर्फ यह देख रहे हैं कि क्या कोई समाधान संभव है। समीर मोदी की तरफ से पेश हुए वकील श्याम दीवान ने कहा कि सभी को पता है कि लाभार्थी के तौर पर 25 फीसदी मुझे मिलना चाहिए। मैं केस से बाहर होने के लिए तैयार हूं। लेकिन इसके लिए एक रास्ता होना चाहिए। बेंच ने पूछा कि जब आप मध्यस्थता में गए और आपको 25 प्रतिशत दिया जा रहा था तो क्या अड़चन थी? इस पर हरीश साल्वे ने कहा कि लिस्टेड कंपनी के शेयर्स को बेचना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने पार्टियों को गोपनीयता बनाए रखने और सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश भी दिया। सीजेआई ने पिछली सुनवाई में कहा था कि इससे पहले मध्यस्थ नियुक्त किए गए थे, लेकिन फैसला नहीं किया जा सका। उन्होंने आगे कहा था कि दोनों पक्षों को निष्पक्ष होना चाहिए, दोनों पक्षों को समाधान के साथ आना चाहिए।

अखिलेश ने समाजवाद में राष?ट्रवाद का दिया तड़का, बोले- तिरंगा अभियान में सपा बढ़-चढ़ कर लेगी हिस्सा

लखनऊ । यूपी विधानसभा चुनाव-2022 और उसके बाद रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में मुंह की खाने के बाद समाजवादी पार्टी के राष?ट्रीय अध?यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा से बराबरी के लिए अपनी रणनीति बदल दी है। भावात्मक मुद्दों पर मात खा रही पार्टी अब उन्हीं मुद्दों पर आगे बढ़ने और अपना बनाने की मुहिम में जुट गई है। लब्बोलुआब ये कि सपा अब अपने समाजवाद में राष्ट्रवाद का तड़का लगाने जा रही है। इसके पहले चरण में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान में बढ़चढ़ कर शामिल होगी। इसके जरिए वह खुद को बड़ी देशभक्त पार्टी के तौर पर पेश करेगी। मोदी सरकार देश भर में हर घर तिरंगा अभियान जोर शोर से चला रही है। यूपी में इसकी जबरदस्त तैयारियां योगी सरकार करवा रही है। अब सपा ने अपने कार्यकर्ता से अपने अपने घरों में सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की है। विपक्षी दलों में सपा पहली पार्टी है जो इस मुहिम में खुल कर समर्थन में आई है जबकि बाकी विपक्षी दलों ने इस पर अभी अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है। सपा ने बकायदा निर्देश जारी किए हैं कि सभी कार्यकर्ता 9 से 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहरा दें। पार्टी का कहना है कि भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया था। सपा को 2024 के चुनाव के लिए मजबूत करने में जुटे अखिलेश यादव अब राष्ट्रवाद के सवाल पर खुद को उसके बड़े पैरोकार के तौर पर पेश करना चाहते हैं। सपा ने अगस्त क्रांति दिवस के मौके पर शुरू करने जा रही पदयात्रा का नाम ही देश बचाओ-देश बनाओ रखा है। इसमें भी तिरंगा झंडा अभियान पर सबसे ज्यादा यात्रा फोकस रहेगा। इसके जरिए समाजवादी खुद को राष्ट्रवाद व देश भक्ति के मोर्चे पर भाजपा को जवाब देना चाहती है। साफ्ट हिंदुत्व का मुद्दा सपा पहले ही अपना चुकी है। कृष्ण मंदिर, हनुमान भक्त व परशुराम की मुहिम आदि मुद्दों पर अखिलेश हिंदुत्व की बात करते हैं।

संजय राउत मामले में भाजपा ने कहा- राजनीति कर रहा विपक्ष, अगर भ्रष्टाचार हुआ है तो जांच होगी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया है। आज उन्हें कोर्ट में भी पेश किया गया जिसके बाद संजय राउत को प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में 4 दिनों के लिए भेज दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय संजय राउत से लगातार पूछताछ कर रही है। वहीं, विपक्ष की ओर से भाजपा पर जबरदस्त तरीके से आरोप लगाया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार प्रतिशोध की भावना से विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। इन सब के बीच भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने विपक्ष पर पलटवार किया है। संबित पात्रा ने कहा कि जिस तरह से विपक्ष भ्रष्टाचार पर राजनीति कर रहा है, वह पूरा भारत देख रहा है। संजय राउत पात्रा चॉल मामले में शामिल हैं और विपक्ष उन्हें मोहरा बनाकर राजनीति करने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या भ्रष्टाचार की जांच भ्रष्टाचार की जांच करने वाली विभिन्न एजेंसियों द्वारा नहीं की जानी चाहिए? क्या ईडी को उन मामलों की जांच नहीं करनी चाहिए जहां हजारों करोड़ का घोटाला हुआ जहां तक संजय राउत और पात्रा चॉल का सवाल है, यह कोई ताजा मामला नहीं है बल्कि 14-15 साल से चल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि करीब 680 परिवारों के घर नहीं बने। कोई उनके बारे में पता लगाने की कोशिश नहीं कर रहा है। विपक्ष को उनके बारे में पता लगाना चाहिए और उनके दर्द के बारे में जानना चाहिए। यह एक हजार करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़ा मामला है। ईडी इसकी जांच कर रही है। सामने आ रहे हैं पैसा और तथ्य।

संबित पात्रा ने कहा कि संजय राउत में हक की भावना क्यों है? वह एक सांसद है। क्या इसका मतलब यह है कि उसके खिलाफ जांच नहीं होनी चाहिए? ये है न्यू इंडिया। लोगों की गाढ़ी कमाई का भ्रष्टाचार है तो जीरो टॉलरेंस की नीति है, इसकी जांच कराई जाएगी। वहीं, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि शिवसेना नेता संजय राउत के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई निश्चित साक्ष्यों के आधार पर प्रतीत हो रही है। भाजपा नेता ने कहा कि ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) एक राष्ट्रीय जांच एजेंसी है। एजेंसी ने दस्तावेजों और सबूतों के आधार पर ही राउत के खिलाफ कार्रवाई की होगी। मैं इस पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।

ममता बनर्जी ने 7 नए जिले बनाने का किया ऐलान, भाजपा ने घोटाले के ध्यान हटाने की कोशिश बताया

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 7 नए जिले बनाने का ऐलान किया है। सोमवार को कैबिनेट की बैठक में ममता ने यह फैसला लिया है। इसके बाद सीएम ममता ने कहा कि पहले बंगाल में 23 जिले थे, इस बढ़ाकर 30 कर दिया गया है। 7 नए जिलों में सुंदरबन, इछेमती, राणाघाट, बिष्णुपुर, जंगीपुर, बेहरामपुर और बशीरहाट शामिल है। ममता के फैसले को लेकर भाजपा ने बंगाल सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इस एसएससी घोटाले से ध्यान हटाने का एक प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि 7 नए जिले बनाना और कैबिनेट में नए चेहरों को शामिल करने का ममता बनर्जी का यह निर्णय एसएससी घोटाले से ध्यान हटाने का एक प्रयास है। भाजपा नेता मालवीय ने कहा कि ममता को बताना चाहिए कि कर्ज में फंसी पश्चिम बंगाल सरकार नए जिले चलाने के लिए पैसा कहां से लाएगी। परेश अधिकारी के कैबिनेट में रहते हुए नए चेहरे को कैबिनेट में शामिल करने से उनके चेहरे के दाग नहीं धुल जाएंगे।

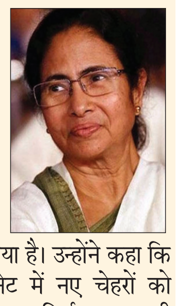

तमिलनाडु के राज्यपाल ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, अब बंदूक का जवाब बंदूक से मिलेगा

चेन्नई (एजेंसी)।

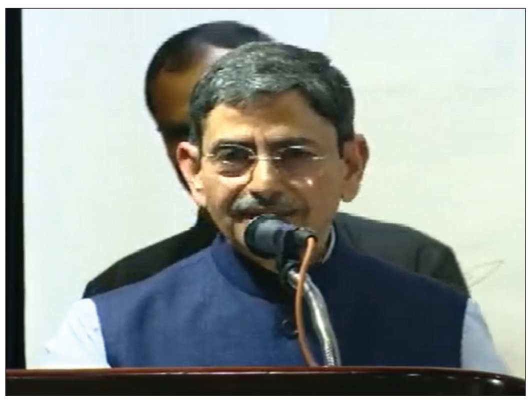

पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ साजिशें रचता रहता है। भारत की ओर से आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को हमेशा कड़ी चेतावनी भी दी जाती है। इन सबके बीच तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि का भी बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अब जो कोई भी बंदूक का इस्तेमाल करता है, उसके साथ बंदूक से ही निपटा जाना चाहिए। दरअसल, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि केरल के कोच्चि में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने भारत की हिंसा के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के इंटरनल सिक्योरिटी पिछले सरकार के मुकाबले मजबूत हुई है।

इतना ही नहीं, उन्होंने साफ तौर पर कह दिया है कि जो कोई भी देश की एकता और अखंडता के खिलाफ बात करते हैं, उनसे कोई भी बात नहीं की जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमले का भी जिक्र किया और उस समय के तत्कालीन यूपीए सरकार को भी घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस हमले की वजह से पूरा देश स्तब्ध था, मुट्ठी भर आतंकवादियों ने देश को अपमानित किया था। इस हमले के बाद दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की ओर से संयुक्त विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसमें दावा किया गया था कि दोनों देश आतंकवाद के शिकार हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि पाकिस्तान दोस्त या दुश्मन? अगर हम बीच में रहने की कोशिश करते हैं तो यह भ्रमित करने वाला है।

अपने संबोधन में तमिलनाडु के राज्यपाल ने सर्जिकल स्ट्राइक को पाकिस्तान के लिए करारा जवाब बताया। उन्होंने कहा कि पुलवामा हमले के बाद जिस तरीके से हमने वायु शक्ति का उपयोग करके बालाकोट में पाकिस्तान पर पलटवार किया, उससे यह संदेश गया है कि अगर कोई आतंकवाद का काम करता है तो उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भारत की आंतरिक सुरक्षा मनमोहन सिंह की शासन की तुलना में फिलहाल बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय देश में माओवादी हिंसा एक गंभीर सुरक्षा चिंता थी। उस वक्त मध्य भारत के 185 से अधिक जिलों में उनकी मौजूदगी थी और लोग रेड कॉरिडोर के बारे में बात करते थे। लेकिन अब उनकी उपस्थिति 8 जिलों से भी कम में सीमित हो चुकी है।

श्रीलंका की तरह एक रोज प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएंगे लोग: ओवैसी ने केंद्र सरकार पर बोला बड़ा हमला

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार श्रीलंका में लोग राष्ट्रपति आवास में घुसे थे, उसी प्रकार भारत में एक दिन लोग प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएंगे। दरअसल, श्रीलंका में आर्थिक संकट गहराया हुआ है। ऐसे में श्रीलंकाई जनता ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आवास में कब्जा कर लिया था। फिलहाल श्रीलंका की स्थिति में थोड़ा बहुत सुधार हुआ है। एआईएमआईएम प्रमुख ने जयपुर में %टॉक जर्नलिज्म% कार्यक्रम में कहा कि एक दिन ऐसा आएगा कि जिस प्रकार लोग श्रीलंका में राष्ट्रपति आवास में घुसकर बैठे थे, ठीक वैसे ही भारत में नौकरी की मांग करते हुए प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएंगे। मैं नहीं चाहता हूं कि ऐसा हो... क्योंकि मेरे पर कल यूएपीए लग जाएगा। इसी बीच पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने ओवैसी से कहा कि कल को वो (लोग) आपके घर में भी न आ जाएं। इस पर ओवैसी ने कहा कि बिल्कुल आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम तमाम लोग सीसे के घर में रह रहे हैं।

ओवैसी ने भाजपा की बी टीम होने के सवाल पर मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं ए टीम हूं। मेरी भाजपा से राजदीप सरदेसाई के घर में डील हुई थी और अभी तक मुझे 50 फीसदी पैसे नहीं मिले हैं और राजदीप सरदेसाई पैसे नहीं दे रहे हैं, उनसे बोलिए कि मेरे पैसे दें। उन्होंने कहा कि 2019 में राजस्थान विधानसभा के चुनाव हुए और मैं नहीं लड़ा, कांग्रेस जीत गई।

ईडी का मतलब बीजेपी का विस्तारित विभाग: प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई (एजेंसी)।

केंद्रीय एजेंसी ईडी ने पात्रा चाल घोटाले के सिलसिले में शिवसेना के सांसद संजय राउत को गिरफ्तार किया है। इसके बाद, सोशल मीडिया और राजनीतिक नेताओं ने भी कदम के खिलाफ अपनी राय व्यक्त की। इसके बाद शिवसेना ने नाराजगी जाहिर की है। सोमवार को सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने संसद भवन के बाहर तख्तियां दिखाकर बीजेपी पर निशाना साधा है। ईडी द्वारा राउत की गिरफ्तारी के बाद देशभर से तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इस पर राज्य के कई नेताओं ने कमेंट किया है। इसलिए संसद के मौजूदा सत्र में भी महंगाई और संजय राउत के खिलाफ कार्रवाई सहित अन्य अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। राउत की गिरफ्तारी के खिलाफ शिवसेना सांसद आवाज उठा रहे हैं। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने संसद भवन के बाहर बैनर लेकर बीजेपी और ईडी पर निशाना साधा। शिवसेना नेता ने ईडी का मतलब बीजेपी का विस्तारित विभाग बताया है। चतुर्वेदी ने ईडी की आलोचना कर कहा है कि ये बीजेपी के विस्तारित विभाग के तौर पर काम कर रही है। वहीं राउत की गिरफ्तारी पर शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने भी अपनी राय रखी है। महाराष्ट्र की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि संजय राउत की गिरफ्तारी एक बड़ी साजिश है। ठाकरे ने कहा कि संजय राउत की गिरफ्तारी एक बड़ी साजिश है। शिवसेना नेता और विधायक आदित्य ठाकरे की 'शिव संवाद' यात्रा का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है।

भारत में बढ़ा मंकीपॉक्स का खतरा, केरल में 22 वर्षीय संक्रमित युवक की मौत

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

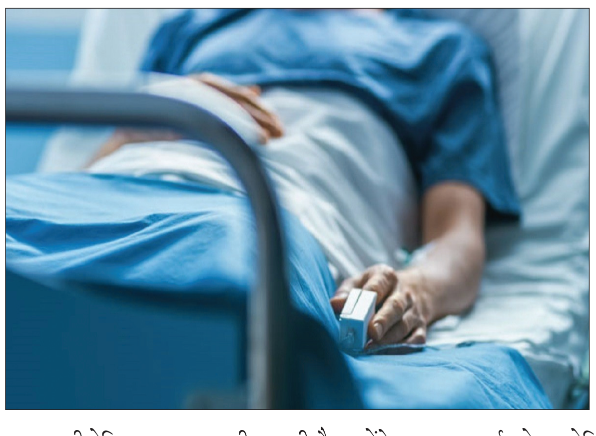

कोरोना वायरस के बाद देश-दुनिया में मंकीपॉक्स का खतरा बढ़ता जा रहा है। इन सब के पीछे बड़ी खबर केरल से है। केरल में मंकीपॉक्स से संक्रमित एक व्यक्ति की मौत हो गई है। व्यक्ति की उम्र 22 वर्ष है और वह यूएसई लौटा था। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि एक युवा लड़का 22 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात से लौटा, वह अपने परिवार के साथ था जब 26 जुलाई को उसे बुखार हुआ और उसे 27 जुलाई को भर्ती कराया गया। 28 जुलाई को उसे वेंटिलेटर पर ले जाया गया। उन्होंने 19 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात में मंकीपॉक्स के लिए परीक्षण किया, जिसका परिणाम सकारात्मक था।

वीना जॉर्ज ने आगे बताया कि 30 जुलाई को उस व्यक्ति की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग की टीमें वहां गईं, सैंपल एनआईवी भेजे गए, जांच के नतीजे बताते हैं कि वह मंकीपॉक्स पॉजिटिव था। टीम गठित की गई और एनआईवी में जीनोमिक अनुक्रमण की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार, उच्च जोखिम वाले 20 लोगों की पहचान की गई है, जिन्हें निगरानी में रखा गया है। इनमें परिवार के सदस्य, दोस्त और चिकित्सा कर्मचारी शामिल हैं जो मृतक के संपर्क में आए होंगे। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को कहा था कि स्वास्थ्य विभाग युवक की मौत के कारणों का पता लगाएगा। उन्होंने कहा था कि रोगी युवा था और वह किसी अन्य रोग या स्वास्थ्य समस्या से ग्रस्त नहीं था।

इन सब के बीच देश में मंकीपॉक्स के मामलों पर नजर रखने और संक्रमण की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले कदमों के संबंध में निर्णय लेने के वास्ते एक कार्यबल का गठन किया गया है। कार्यबल के गठन का निर्णय देश में चल रही जनस्वास्थ्य संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए 26 जुलाई को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया था। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी के पॉल इस कार्यबल की अगुवाई करेंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल में मंकीपॉक्स को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। वैश्विक स्तर पर, 75 देशों में मंकीपॉक्स के 16,000 से अधिक मामले पाए गए हैं।

'2021 में 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए', केंद्र पर बरसे मनीष तिवारी, बोले- 5 आधार पर खड़ी है

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र अभी तक हंगामे की भेंट चढ़ा है। इसी बीच लोकसभा से कांग्रेस के निलंबित सांसदों को बहाल करने का प्रस्ताव पारित हो गया और महंगाई पर चर्चा शुरू हुई। ऐसे में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा अध्यक्ष को महंगाई के विषय पर चर्चा आरंभ करने के लिए शुक्रियाअदा किया। उन्होंने कहा कि महंगाई पर चर्चा व्यापक परिपेक्ष में हो रही है और मैं उसका जिक्र करना जरूरी समझता हूं।

उन्होंने कहा कि कोई भी अर्थव्यवस्था पांच मूलभूत आधार पर खड़ी होती है। इसमें बचत, निवेश, उत्पादन, खपत और रोजगार शामिल है। मनीष तिवारी ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि पिछले 8 सालों में अर्थव्यवस्था की पांचों मूलभूत आधार के परखच्चे उड़ गए। वर्ष 2004 से लेकर 2014 तक यूपीए सरकार में 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि 2021 में एक रिपोर्ट सार्वजनिक हुई, जिसके जरिए पता चला कि 23 करोड़ लोग दोबारा से गरीबी रेखा के नीचे चले गए।

उन्होंने कहा कि अनूत समिति कहती है कि गरीबी रेखा 375 रुपए प्रति दिन के बेंचमार्क पर है, 23 करोड़ लोग उससे नीचे चले गए। उन्होंने कहा कि 77 फीसदी इस देश का जो धन है, वो सिर्फ एक फीसदी लोगों के हाथ में है। इन वर्षों में भारत में जो बिलिनियर्स हैं वो 100 से बढ़कर 142 तो हो गए, लेकिन सबसे नीचे का जो तबका है उनकी आय दिन-ब-दिन घटती चली गई।

मनीष तिवारी ने कहा कि सबसे अमीर 92 भारतीयों के पास उतना पैसा है, जो 55 करोड़ भारतवासियों के पास है। इससे ज्यादा असमानता नहीं हो सकती है। इसकी शुरुआत 8 नवंबर, 2016 को हुई थी। जब एनडीए सरकार ने बिना सोचे-समझे नोटबंदी जारी की थी। 15 लाख 41 हजार करोड़ रुपए डिमॉनेटाइज हुआ था और उसमें से 15 लाख 31 हजार करोड़ रुपए वापस से बैंकिंग सिस्टम में आ गया। इसकी जानकारी आज तक सदन को नहीं दी गई है।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि पिछले 8 वर्ष से यह मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है कि यह फैसला क्यों लिया गया था ? इस फैसले का देश के ऊपर क्या असर पड़ा ? उन्होंने कहा कि जीडीपी का वृद्धिदर 2017-2018 में 6.8 प्रतिशत था। 2018-2019 में गिरकर 6.6 प्रतिशत हो गया, 2019-2020 में गिरकर 3.7 प्रतिशत हो गया, 2021-2022 में गिरकर -6.6 प्रतिशत हो गया, जिसमें कोरोना का बहुत बड़ा असर रहा और 2021-22 में 8.9 फीसदी में आया लेकिन यह आंकड़ा मिथ्या है क्योंकि जीडीपी ग्रोथ सिर्फ 2.3 प्रतिशत थी।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था का जो पतन हुआ वो सिर्फ कोरोना की वजह से नहीं हुआ। कोरोना सिर्फ एक कारण हो सकता है लेकिन अर्थव्यवस्था उससे पहले से गिरती जा रही थी।

पंजाब में पूरे साल की फ्री बिजली का खर्च निकल आया अरविंद केजरीवाल ने बताया गणित

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने जिस 'दिल्ली मॉडल' की बात करके पंजाब में बड़ी जीत हासिल की उसमें 'फ्री बिजली' का भी बड़ा हाथ है। अब गुजरात में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहा है आम आदमी पार्टी की राज्य में सक्रियता भी बढ़ रही है। गुजरात में भी सीएम केजरीवाल ने कहा था कि गुजरात में किस तरह से आम लोगों को मुफ्त में बिजली दी जा सकती है. इसका उपाय ढूंढकर आऊंगा। हालांकि अरविंद केजरीवाल के फ्री के वादों को लेकर अन्य पार्टियां सवाल भी खड़ी करती रही हैं। पंजाब में भी इसको लेकर सवाल पूछे जाते हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एक ट्वीट को रीट्वीट करते हुए बताया कि कैसे वह अपने 'फ्री बिजली' के वादे को पूरा करेंगे। ट्विटर पर @anuragdhanda नाम के यूजर ने लिखा, 'पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार आने का असर देखिए। पिछले साल पहली तिमाही में 15000 करोड़ टैक्स मिला था सरकार को, इस बार 21000 करोड़ का टैक्स मिला है। ईमानदार राजनीति ही भविष्य है, पैसे की कोई कमी नहीं है सरकार में।' बता दें कि यह ट्विटर अकाउंट वेरिफाइड नहीं है और न ही इस टैक्स कलेक्शन के डेटा का कोई सोर्स बताया गया। अरविंद केजरीवाल ने इसी ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, 'पंजाब के लोगों की बिजली फ्री करने का पूरा साल का खर्च निकल आया। ये पार्टियाँ और नेता पूछ रहे थे कि पैसा कहाँ से आयेगा, सरकार घाटे में चली जाएगी। ईमानदारी से काम करो तो पैसे की कमी नहीं होती। सरकारें भ्रष्टाचार करने से घाटे में जाती हैं, जनता को सुविधाएँ देने से नहीं। बता दें कि पंजाब में भगवंत मान की कैबिनेट ने हर बिल पर 600 यूनिट बिजली फ्री देने के फैसले पर मुहर लगा दी है। पंजाब में दो महीने का बिल एक साथ आता है। विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी न फ्री बिजली देने का वादा किया था। राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार लोगों को 200 यूनिट फ्री बिजली देती है। इसके बाद 400 यूनिट तक आधी छूट दी जाती है।

गुजरात में ड्रग-शराब माफिया को आखिर कौन दे रहा संरक्षण: राहुल गांधी

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुजरात में कुछ महीनों में की गई मादक पदार्थों की बरामदगी और जब्ती को लेकर सोमवार को केंद्र एवं राज्य सरकार पर निशाना साधा और सवाल किया कि डबल इंजन सरकार में कौन लोग हैं जो राज्य में मादक पदार्थ माफिया और शराब माफिया को संरक्षण दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात में कानून व्यवस्था है या फिर 'माफिया की सरकार' है? राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 'गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर पिछले साल 21 सितंबर को 21,000 करोड़ रुपये के 3000 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए। गत 22 मई को 500 करोड़ रुपये के 56 किलोग्राम और 22 जुलाई को 375 करोड़ रुपये के 75 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए गए।'

कांग्रेस नेता ने सवाल किया, 'डबल इंजन सरकार में बैठे कौन लोग हैं जो लगातार मादक पदार्थ माफिया और शराब माफिया को संरक्षण दे रहे हैं? गुजरात के युवाओं को नशे में क्यों धकेला जा रहा है?' उन्होंने यह भी पूछा, 'एक ही बंदरगाह पर तीन-तीन बार मादक पदार्थ बरामद होने के बावजूद, उसी बंदरगाह पर लगातार मादक पदार्थ की खेप कैसे उतर रही है? क्या गुजरात में कानून व्यवस्था ख़त्म हो गई है? माफिया को कानून का कोई डर नहीं? या ये माफिया की सरकार है?' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने ट्वीट किया, 'गुजरात में एक ही बंदरगाह से तीन बार लगभग 22000 करोड़ रुपये का मादक पदार्थ बरामद हुआ। मीडिया में चुप्पी, सरकार में सुस्ती, सरकार की सारी एजेंसियां सन्नाटे में। भाजपा सरकार की नाक के नीचे से माफिया पूरे देश में मादक पदार्थ बांट रहे हैं। कानून व्यवस्था असहाय है या माफिया से मिलीभगत है?'

गौरतलब है कि गुजरात के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने पिछले महीने कच्छ जिले के मुंद्रा बंदरगाह के पास एक कंटेनर से करीब 75.3 किलोग्राम हेरोइन जब्त की, जिसकी कीमत 376.5 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने पिछले साल सितंबर में मुंद्रा बंदरगाह पर दो कंटेनरों से लगभग 3,000 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी, जिसके बारे में माना जाता है कि यह अफगानिस्तान से आई थी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 21,000 करोड़ रुपये थी। इस साल मई में डीआरआई ने मुंद्रा बंदरगाह के पास एक कंटेनर से 56 किलोग्राम कोकीन जब्त की थी, जिसकी कीमत लगभग 500 करोड़ रुपये थी। वहीं, अप्रैल में डीआरआई ने कच्छ में कांडला बंदरगाह के पास एक कंटेनर से लगभग 1,439 करोड़ रुपये की 205.6 किलोग्राम हेरोइन जब्त की थी। इन मामलों में कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

संपत्ति विवाद में ललित मोदी और उनकी मां के बीच मध्यस्थता करेंगे सुप्रीम कोर्ट के जज

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी हालही में बॉलीवुड कन्या सुष्मिता सेन से रिश्तों को लेकर चर्चा में थे और अब उनका ताजा विवाद अपनी मां के साथ संपत्ति विवाद को लेकर हो रहा है। सोमवार को एक बार फिर इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की गई। संपत्ति विवाद से जुड़े इस मामले में ललित मोदी की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे कोर्ट में मौजूद हुए तो वहीं उनकी मां और बहन की तरफ से कपिल सिब्बल दलील दे रहे थे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता के लिए जस्टिस आरवी रवींद्र को नियुक्त किया है। सुनवाई के दौरान हरीश साल्वे ने कहा कि उन्होंने एक आवेदन दिया है। साल्वे ने आगे कहा कि इस मामले में दो साल में कोई बैठक नहीं हुई है। आज बदले हुए हालात में ललित मोदी और समीर मोदी (भाई) एक तरफ हैं तो दूसरी तरफ उनकी मां और बहन हैं। केस को 3 अगस्त के लिए लिस्ट कर दिया गया है। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने पूछा कि क्या सभी इस केस में सुलह के लिए तैयार हैं। इस पर सिंघवी ने कहा कि मध्यस्थता के लिए यथास्थिति बनाए रखने की आवश्यकता है। बेंच ने आगे कहा कि हम सिर्फ यह देख रहे हैं कि क्या कोई समाधान संभव है। समीर मोदी की तरफ से पेश हुए वकील श्याम दीवान ने कहा कि सभी को पता है कि लाभार्थी के तौर पर 25 फीसदी मुझे मिलना चाहिए। मैं केस से बाहर होने के लिए तैयार हूं। लेकिन इसके लिए एक रास्ता होना चाहिए। बेंच ने पूछा कि जब आप मध्यस्थता में गए और आपको 25 प्रतिशत दिया जा रहा था तो क्या अड़चन थी? इस पर हरीश साल्वे ने कहा कि लिस्टेड कंपनी के शेयर्स को बेचना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने पार्टियों को गोपनीयता बनाए रखने और सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश भी दिया। सीजेआई ने पिछली सुनवाई में कहा था कि इससे पहले मध्यस्थ नियुक्त किए गए थे, लेकिन फैसला नहीं किया जा सका। उन्होंने आगे कहा था कि दोनों पक्षों को निष्पक्ष होना चाहिए, दोनों पक्षों को समाधान के साथ आना चाहिए।

अखिलेश ने समाजवाद में राष?ट्रवाद का दिया तड़का, बोले- तिरंगा अभियान में सपा बढ़-चढ़ कर लेगी हिस्सा

लखनऊ । यूपी विधानसभा चुनाव-2022 और उसके बाद रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में मुंह की खाने के बाद समाजवादी पार्टी के राष?ट्रीय अध?यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा से बराबरी के लिए अपनी रणनीति बदल दी है। भावात्मक मुद्दों पर मात खा रही पार्टी अब उन्हीं मुद्दों पर आगे बढ़ने और अपना बनाने की मुहिम में जुट गई है। लब्बोलुआब ये कि सपा अब अपने समाजवाद में राष्ट्रवाद का तड़का लगाने जा रही है। इसके पहले चरण में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान में बढ़चढ़ कर शामिल होगी। इसके जरिए वह खुद को बड़ी देशभक्त पार्टी के तौर पर पेश करेगी। मोदी सरकार देश भर में हर घर तिरंगा अभियान जोर शोर से चला रही है। यूपी में इसकी जबरदस्त तैयारियां योगी सरकार करवा रही है। अब सपा ने अपने कार्यकर्ता से अपने अपने घरों में सम्मान के साथ तिरंगा फहराने की अपील की है। विपक्षी दलों में सपा पहली पार्टी है जो इस मुहिम में खुल कर समर्थन में आई है जबकि बाकी विपक्षी दलों ने इस पर अभी अपना रुख स्पष्ट नहीं किया है। सपा ने बकायदा निर्देश जारी किए हैं कि सभी कार्यकर्ता 9 से 15 अगस्त तक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहरा दें। पार्टी का कहना है कि भारत छोड़ो आंदोलन में समाजवादियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया था। सपा को 2024 के चुनाव के लिए मजबूत करने में जुटे अखिलेश यादव अब राष्ट्रवाद के सवाल पर खुद को उसके बड़े पैरोकार के तौर पर पेश करना चाहते हैं। सपा ने अगस्त क्रांति दिवस के मौके पर शुरू करने जा रही पदयात्रा का नाम ही देश बचाओ-देश बनाओ रखा है। इसमें भी तिरंगा झंडा अभियान पर सबसे ज्यादा यात्रा फोकस रहेगा। इसके जरिए समाजवादी खुद को राष्ट्रवाद व देश भक्ति के मोर्चे पर भाजपा को जवाब देना चाहती है। साफ्ट हिंदुत्व का मुद्दा सपा पहले ही अपना चुकी है। कृष्ण मंदिर, हनुमान भक्त व परशुराम की मुहिम आदि मुद्दों पर अखिलेश हिंदुत्व की बात करते हैं।

संजय राउत मामले में भाजपा ने कहा- राजनीति कर रहा विपक्ष, अगर भ्रष्टाचार हुआ है तो जांच होगी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

धन शोधन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत को गिरफ्तार कर लिया है। आज उन्हें कोर्ट में भी पेश किया गया जिसके बाद संजय राउत को प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में 4 दिनों के लिए भेज दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय संजय राउत से लगातार पूछताछ कर रही है। वहीं, विपक्ष की ओर से भाजपा पर जबरदस्त तरीके से आरोप लगाया जा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार प्रतिशोध की भावना से विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। इन सब के बीच भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने विपक्ष पर पलटवार किया है। संबित पात्रा ने कहा कि जिस तरह से विपक्ष भ्रष्टाचार पर राजनीति कर रहा है, वह पूरा भारत देख रहा है। संजय राउत पात्रा चॉल मामले में शामिल हैं और विपक्ष उन्हें मोहरा बनाकर राजनीति करने की कोशिश कर रहा है।

भाजपा नेता ने सवाल किया कि क्या भ्रष्टाचार की जांच भ्रष्टाचार की जांच करने वाली विभिन्न एजेंसियों द्वारा नहीं की जानी चाहिए? क्या ईडी को उन मामलों की जांच नहीं करनी चाहिए जहां हजारों करोड़ का घोटाला हुआ जहां तक संजय राउत और पात्रा चॉल का सवाल है, यह कोई ताजा मामला नहीं है बल्कि 14-15 साल से चल रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि करीब 680 परिवारों के घर नहीं बने। कोई उनके बारे में पता लगाने की कोशिश नहीं कर रहा है। विपक्ष को उनके बारे में पता लगाना चाहिए और उनके दर्द के बारे में जानना चाहिए। यह एक हजार करोड़ रुपये के घोटाले से जुड़ा मामला है। ईडी इसकी जांच कर रही है। सामने आ रहे हैं पैसा और तथ्य।

संबित पात्रा ने कहा कि संजय राउत में हक की भावना क्यों है? वह एक सांसद है। क्या इसका मतलब यह है कि उसके खिलाफ जांच नहीं होनी चाहिए? ये है न्यू इंडिया। लोगों की गाढ़ी कमाई का भ्रष्टाचार है तो जीरो टॉलरेंस की नीति है, इसकी जांच कराई जाएगी। वहीं, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि शिवसेना नेता संजय राउत के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई निश्चित साक्ष्यों के आधार पर प्रतीत हो रही है। भाजपा नेता ने कहा कि ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) एक राष्ट्रीय जांच एजेंसी है। एजेंसी ने दस्तावेजों और सबूतों के आधार पर ही राउत के खिलाफ कार्रवाई की होगी। मैं इस पर आगे कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।

ममता बनर्जी ने 7 नए जिले बनाने का किया ऐलान, भाजपा ने घोटाले के ध्यान हटाने की कोशिश बताया

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 7 नए जिले बनाने का ऐलान किया है। सोमवार को कैबिनेट की बैठक में ममता ने यह फैसला लिया है। इसके बाद सीएम ममता ने कहा कि पहले बंगाल में 23 जिले थे, इस बढ़ाकर 30 कर दिया गया है। 7 नए जिलों में सुंदरबन, इछेमती, राणाघाट, बिष्णुपुर, जंगीपुर, बेहरामपुर और बशीरहाट शामिल है। ममता के फैसले को लेकर भाजपा ने बंगाल सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इस एसएससी घोटाले से ध्यान हटाने का एक प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि 7 नए जिले बनाना और कैबिनेट में नए चेहरों को शामिल करने का ममता बनर्जी का यह निर्णय एसएससी घोटाले से ध्यान हटाने का एक प्रयास है। भाजपा नेता मालवीय ने कहा कि ममता को बताना चाहिए कि कर्ज में फंसी पश्चिम बंगाल सरकार नए जिले चलाने के लिए पैसा कहां से लाएगी। परेश अधिकारी के कैबिनेट में रहते हुए नए चेहरे को कैबिनेट में शामिल करने से उनके चेहरे के दाग नहीं धुल जाएंगे।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा, अब बंदूक का जवाब बंदूक से मिलेगा

चेन्नई (एजेंसी)।

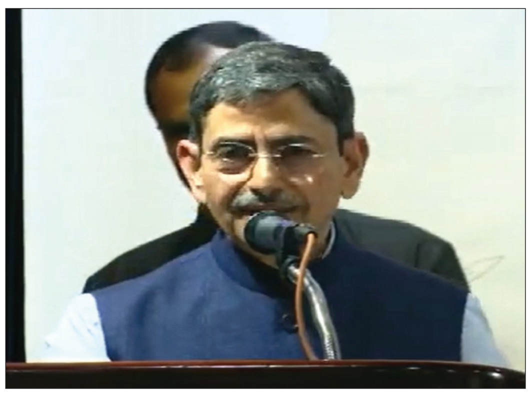

पाकिस्तान लगातार भारत के खिलाफ साजिशें रचता रहता है। भारत की ओर से आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को हमेशा कड़ी चेतावनी भी दी जाती है। इन सबके बीच तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि का भी बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा कि अब जो कोई भी बंदूक का इस्तेमाल करता है, उसके साथ बंदूक से ही निपटा जाना चाहिए। दरअसल, तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि केरल के कोच्चि में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने भारत की हिंसा के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के इंटरनल सिक्योरिटी पिछले सरकार के मुकाबले मजबूत हुई है।

इतना ही नहीं, उन्होंने साफ तौर पर कह दिया है कि जो कोई भी देश की एकता और अखंडता के खिलाफ बात करते हैं, उनसे कोई भी बात नहीं की जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने 26/11 मुंबई आतंकी हमले का भी जिक्र किया और उस समय के तत्कालीन यूपीए सरकार को भी घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि इस हमले की वजह से पूरा देश स्तब्ध था, मुट्ठी भर आतंकवादियों ने देश को अपमानित किया था। इस हमले के बाद दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की ओर से संयुक्त विज्ञप्ति पर हस्ताक्षर किए गए थे जिसमें दावा किया गया था कि दोनों देश आतंकवाद के शिकार हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि पाकिस्तान दोस्त या दुश्मन? अगर हम बीच में रहने की कोशिश करते हैं तो यह भ्रमित करने वाला है।

अपने संबोधन में तमिलनाडु के राज्यपाल ने सर्जिकल स्ट्राइक को पाकिस्तान के लिए करारा जवाब बताया। उन्होंने कहा कि पुलवामा हमले के बाद जिस तरीके से हमने वायु शक्ति का उपयोग करके बालाकोट में पाकिस्तान पर पलटवार किया, उससे यह संदेश गया है कि अगर कोई आतंकवाद का काम करता है तो उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि भारत की आंतरिक सुरक्षा मनमोहन सिंह की शासन की तुलना में फिलहाल बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय देश में माओवादी हिंसा एक गंभीर सुरक्षा चिंता थी। उस वक्त मध्य भारत के 185 से अधिक जिलों में उनकी मौजूदगी थी और लोग रेड कॉरिडोर के बारे में बात करते थे। लेकिन अब उनकी उपस्थिति 8 जिलों से भी कम में सीमित हो चुकी है।

श्रीलंका की तरह एक रोज प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएंगे लोग: ओवैसी ने केंद्र सरकार पर बोला बड़ा हमला

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार श्रीलंका में लोग राष्ट्रपति आवास में घुसे थे, उसी प्रकार भारत में एक दिन लोग प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएंगे। दरअसल, श्रीलंका में आर्थिक संकट गहराया हुआ है। ऐसे में श्रीलंकाई जनता ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री आवास में कब्जा कर लिया था। फिलहाल श्रीलंका की स्थिति में थोड़ा बहुत सुधार हुआ है। एआईएमआईएम प्रमुख ने जयपुर में %टॉक जर्नलिज्म% कार्यक्रम में कहा कि एक दिन ऐसा आएगा कि जिस प्रकार लोग श्रीलंका में राष्ट्रपति आवास में घुसकर बैठे थे, ठीक वैसे ही भारत में नौकरी की मांग करते हुए प्रधानमंत्री आवास में घुस जाएंगे। मैं नहीं चाहता हूं कि ऐसा हो... क्योंकि मेरे पर कल यूएपीए लग जाएगा। इसी बीच पत्रकार राजदीप सरदेसाई ने ओवैसी से कहा कि कल को वो (लोग) आपके घर में भी न आ जाएं। इस पर ओवैसी ने कहा कि बिल्कुल आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम तमाम लोग सीसे के घर में रह रहे हैं।

ओवैसी ने भाजपा की बी टीम होने के सवाल पर मजाकिया अंदाज में कहा कि मैं ए टीम हूं। मेरी भाजपा से राजदीप सरदेसाई के घर में डील हुई थी और अभी तक मुझे 50 फीसदी पैसे नहीं मिले हैं और राजदीप सरदेसाई पैसे नहीं दे रहे हैं, उनसे बोलिए कि मेरे पैसे दें। उन्होंने कहा कि 2019 में राजस्थान विधानसभा के चुनाव हुए और मैं नहीं लड़ा, कांग्रेस जीत गई।

ईडी का मतलब बीजेपी का विस्तारित विभाग: प्रियंका चतुर्वेदी

मुंबई (एजेंसी)।

केंद्रीय एजेंसी ईडी ने पात्रा चाल घोटाले के सिलसिले में शिवसेना के सांसद संजय राउत को गिरफ्तार किया है। इसके बाद, सोशल मीडिया और राजनीतिक नेताओं ने भी कदम के खिलाफ अपनी राय व्यक्त की। इसके बाद शिवसेना ने नाराजगी जाहिर की है। सोमवार को सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने संसद भवन के बाहर तख्तियां दिखाकर बीजेपी पर निशाना साधा है। ईडी द्वारा राउत की गिरफ्तारी के बाद देशभर से तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। इस पर राज्य के कई नेताओं ने कमेंट किया है। इसलिए संसद के मौजूदा सत्र में भी महंगाई और संजय राउत के खिलाफ कार्रवाई सहित अन्य अहम मुद्दों पर चर्चा हो सकती है। राउत की गिरफ्तारी के खिलाफ शिवसेना सांसद आवाज उठा रहे हैं। राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने संसद भवन के बाहर बैनर लेकर बीजेपी और ईडी पर निशाना साधा। शिवसेना नेता ने ईडी का मतलब बीजेपी का विस्तारित विभाग बताया है। चतुर्वेदी ने ईडी की आलोचना कर कहा है कि ये बीजेपी के विस्तारित विभाग के तौर पर काम कर रही है। वहीं राउत की गिरफ्तारी पर शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने भी अपनी राय रखी है। महाराष्ट्र की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि संजय राउत की गिरफ्तारी एक बड़ी साजिश है। ठाकरे ने कहा कि संजय राउत की गिरफ्तारी एक बड़ी साजिश है। शिवसेना नेता और विधायक आदित्य ठाकरे की 'शिव संवाद' यात्रा का दूसरा चरण सोमवार से शुरू हो रहा है।

भारत में बढ़ा मंकीपॉक्स का खतरा, केरल में 22 वर्षीय संक्रमित युवक की मौत

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

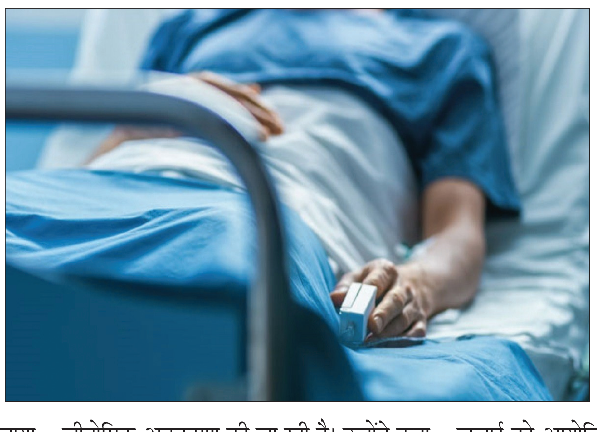

कोरोना वायरस के बाद देश-दुनिया में मंकीपॉक्स का खतरा बढ़ता जा रहा है। इन सब के पीछे बड़ी खबर केरल से है। केरल में मंकीपॉक्स से संक्रमित एक व्यक्ति की मौत हो गई है। व्यक्ति की उम्र 22 वर्ष है और वह यूएसई लौटा था। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने बताया कि एक युवा लड़का 22 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात से लौटा, वह अपने परिवार के साथ था जब 26 जुलाई को उसे बुखार हुआ और उसे 27 जुलाई को भर्ती कराया गया। 28 जुलाई को उसे वेंटिलेटर पर ले जाया गया। उन्होंने 19 जुलाई को संयुक्त अरब अमीरात में मंकीपॉक्स के लिए परीक्षण किया, जिसका परिणाम सकारात्मक था।

वीना जॉर्ज ने आगे बताया कि 30 जुलाई को उस व्यक्ति की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग की टीमें वहां गईं, सैंपल एनआईवी भेजे गए, जांच के नतीजे बताते हैं कि वह मंकीपॉक्स पॉजिटिव था। टीम गठित की गई और एनआईवी में जीनोमिक अनुक्रमण की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार, उच्च जोखिम वाले 20 लोगों की पहचान की गई है, जिन्हें निगरानी में रखा गया है। इनमें परिवार के सदस्य, दोस्त और चिकित्सा कर्मचारी शामिल हैं जो मृतक के संपर्क में आए होंगे। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने रविवार को कहा था कि स्वास्थ्य विभाग युवक की मौत के कारणों का पता लगाएगा। उन्होंने कहा था कि रोगी युवा था और वह किसी अन्य रोग या स्वास्थ्य समस्या से ग्रस्त नहीं था।

इन सब के बीच देश में मंकीपॉक्स के मामलों पर नजर रखने और संक्रमण की रोकथाम के लिए उठाए जाने वाले कदमों के संबंध में निर्णय लेने के वास्ते एक कार्यबल का गठन किया गया है। कार्यबल के गठन का निर्णय देश में चल रही जनस्वास्थ्य संबंधी तैयारियों की समीक्षा के लिए 26 जुलाई को आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया था। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी के पॉल इस कार्यबल की अगुवाई करेंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल में मंकीपॉक्स को वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। वैश्विक स्तर पर, 75 देशों में मंकीपॉक्स के 16,000 से अधिक मामले पाए गए हैं।

'2021 में 23 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे चले गए', केंद्र पर बरसे मनीष तिवारी, बोले- 5 आधार पर खड़ी है

नयी दिल्ली।(एजेंसी)।

संसद का मानसून सत्र अभी तक हंगामे की भेंट चढ़ा है। इसी बीच लोकसभा से कांग्रेस के निलंबित सांसदों को बहाल करने का प्रस्ताव पारित हो गया और महंगाई पर चर्चा शुरू हुई। ऐसे में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा अध्यक्ष को महंगाई के विषय पर चर्चा आरंभ करने के लिए शुक्रियाअदा किया। उन्होंने कहा कि महंगाई पर चर्चा व्यापक परिपेक्ष में हो रही है और मैं उसका जिक्र करना जरूरी समझता हूं।

उन्होंने कहा कि कोई भी अर्थव्यवस्था पांच मूलभूत आधार पर खड़ी होती है। इसमें बचत, निवेश, उत्पादन, खपत और रोजगार शामिल है। मनीष तिवारी ने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि पिछले 8 सालों में अर्थव्यवस्था की पांचों मूलभूत आधार के परखच्चे उड़ गए। वर्ष 2004 से लेकर 2014 तक यूपीए सरकार में 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि 2021 में एक रिपोर्ट सार्वजनिक हुई, जिसके जरिए पता चला कि 23 करोड़ लोग दोबारा से गरीबी रेखा के नीचे चले गए।

उन्होंने कहा कि अनूत समिति कहती है कि गरीबी रेखा 375 रुपए प्रति दिन के बेंचमार्क पर है, 23 करोड़ लोग उससे नीचे चले गए। उन्होंने कहा कि 77 फीसदी इस देश का जो धन है, वो सिर्फ एक फीसदी लोगों के हाथ में है। इन वर्षों में भारत में जो बिलिनियर्स हैं वो 100 से बढ़कर 142 तो हो गए, लेकिन सबसे नीचे का जो तबका है उनकी आय दिन-ब-दिन घटती चली गई।

मनीष तिवारी ने कहा कि सबसे अमीर 92 भारतीयों के पास उतना पैसा है, जो 55 करोड़ भारतवासियों के पास है। इससे ज्यादा असमानता नहीं हो सकती है। इसकी शुरुआत 8 नवंबर, 2016 को हुई थी। जब एनडीए सरकार ने बिना सोचे-समझे नोटबंदी जारी की थी। 15 लाख 41 हजार करोड़ रुपए डिमॉनेटाइज हुआ था और उसमें से 15 लाख 31 हजार करोड़ रुपए वापस से बैंकिंग सिस्टम में आ गया। इसकी जानकारी आज तक सदन को नहीं दी गई है।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि पिछले 8 वर्ष से यह मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित है कि यह फैसला क्यों लिया गया था ? इस फैसले का देश के ऊपर क्या असर पड़ा ? उन्होंने कहा कि जीडीपी का वृद्धिदर 2017-2018 में 6.8 प्रतिशत था। 2018-2019 में गिरकर 6.6 प्रतिशत हो गया, 2019-2020 में गिरकर 3.7 प्रतिशत हो गया, 2021-2022 में गिरकर -6.6 प्रतिशत हो गया, जिसमें कोरोना का बहुत बड़ा असर रहा और 2021-22 में 8.9 फीसदी में आया लेकिन यह आंकड़ा मिथ्या है क्योंकि जीडीपी ग्रोथ सिर्फ 2.3 प्रतिशत थी।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था का जो पतन हुआ वो सिर्फ कोरोना की वजह से नहीं हुआ। कोरोना सिर्फ एक कारण हो सकता है लेकिन अर्थव्यवस्था उससे पहले से गिरती जा रही थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्वोदय सोसायटी में मंदिर तोड़ने का मुद्दा गरमाया, विरोध रैली में कांग्रेस और आप भी शामिल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नवसारी,नवसारी की सर्वोदय सोसायटी में राधा-कृष्ण मंदिर तोड़ने का मुद्दा गरमा गया है। बीते दिन मंदिर हटाने के विरोध में भाजपा के 1100 जितने नेता और कार्यकर्ताओं ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। आज मंदिर तोड़ने के विरोध में स्थानीय लोगों ने रैली निकाली, जिसमें कांग्रेस विधायक और आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी शामिल हुए। बता दें कि गत 25 जुलाई को नवसारी की सर्वोदय सोसायटी में गैरकानूनी रूप से बनाए गए राधा-कृष्ण के मंदिर को नवसारी नगर विकास प्राधिकरण (नुडा) और नगर पालिका प्रशासन ने पुलिस सुरक्षा में हटा दिया था। स्थानीय लोगों ने जब प्रशासन की कार्यवाही का विरोध किया तो पुलिस के साथ उनका घर्षण भी हुआ था। लोगों को समझाने के बावजूद उनके घटनास्थल से नहीं हटने पर पुलिस हलका बल प्रयोग

किया था। आरोप है कि पुलिस ने मंदिर में मौजूद महिलाओं के साथ बदसलूकी की थी। पुलिस-प्रशासन की दमनात्मक कार्यवाही के खिलाफ भाजपा के स्थानीय और प्रदेश स्तर के किसी नेता का सहयोग नहीं मिलने पर लोगों में जबर्दस्त आक्रोश भड़क उठा। घटना के विरोध में भाजपा के नेता और कार्यकर्ताओं समेत 1100 लोगों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। आज सर्वोदय सोसायटी के लोगों ने सर्किट हाउस तक रैली निकालकर घटना का विरोध किया। इस रैली में कांग्रेस विधायक अनंत पटेल और आम आदमी पार्टी के गुजरात प्रदेश प्रमुख गोपाल इटालिया भी शामिल हुए।

बता दें कि गुजरात प्रदेश प्रमुख सीआर पाटील का संसदीय निर्वाचन क्षेत्र हैं, जहां से वह रिकार्ड वोटों से चुनाव जीतते आए हैं। गुजरात विधानसभा के चुनाव निकट हैं ऐसे में नवसारी के सर्वोदय सोसायटी के लोगों की नाराजगी दूर नहीं की गई तो भाजपा को नुकसान हो सकता है।

सूरत शिक्षा समिति एजीएम में आप ने अध्यक्ष को घेरा

बोर्ड-बेनर के साथ विरोध प्रदर्शन 'वार्ता रे करे अध्यक्ष जवाब नहीं देता'

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की आम बैठक में प्रधानाध्यापक द्वारा यौन शोषण और कहानी कहने के पीछे कांड का मुद्दा उठाया गया. आम आदमी पार्टी के समर्थकों और नगरसेवकों ने आम सभा के बाहर नारेबाजी करते हुए धरना दिया। आम आदमी पार्टी ने नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के अध्यक्ष के कक्ष में तोड़फोड़ की और हंगामा किया। नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की आम बैठक में सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित किया गया कि सभी में नवनियुक्तअध्यक्ष की फोटो लगाई जाए। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तस्वीरें हर शहर के प्राथमिक शिक्षा कार्यालय और स्कूलों में प्रदर्शित की जाएंगी।

गजव्य नगर प्राथमिक शिक्षा समिति ने आम बैठक में उठाये मुद्दे नगर प्राथमिक शिक्षा समिति में आम आदमी पार्टी का एक ही सदस्य है। छात्रा के यौन शोषण के मुद्दे पर प्राचार्य ने अध्यक्ष के खिलाफ कड़ा प्रजेंटेशन दिया और कहानी सुनाने के लिए दिए गए गलत पते पर हंगामा भी खड़ा कर दिया. आम आदमी पार्टी के समर्थकों और पार्षदों ने सभापति के केबिन में घुसकर हंगामा किया।

शासकों ने माना कि एजेंसी का पता लिखने में गलती हुई है।

नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के कुछ और गलत नहीं हुआ है। मुझ पर असंवैधानिक शब्द नक्सली इस्तेमाल किया गया आप विनोद गजेरा ने मुझे नक्सली कहा और कहा कि इस व्यक्तिको तीन बैठकों के लिए निलंबित कर देना चाहिए। काम की प्रस्तुति की अनुमति नहीं थी और बैठक को जल्दी से मंजूरी दे दी गई थी।

विपक्षी दल को जवाब देने में शिक्षा समिति की नीति कमजोर है, इस प्रकार शिक्षा का मुद्दा सबसे ज्यादा आम आदमी पार्टी द्वारा भाजपा को घेरने के लिए उठाया जा रहा है, यहां तक कि ऐसी स्थिति में भी जहां भारतीय जनता पार्टी ने अपना अध्यक्ष और उपाध्यक्ष नियुक्तकिया है। ऐसा आभास होता है कि वे ठीक से प्रशासन करने में सक्षम नहीं हैं। आम आदमी पार्टी आए दिन किसी न किसी मुद्दे पर मुद्दे उठाती नजर आ रही है। नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की टीम इसका जवाब देने में नाकाम होती दिख रही है. इससे निगम में भाजपा शासकों की छवि भी खराब हो रही है। आपके सदस्य शिक्षा समिति के मुद्दों को लोगों तक ले जा रहे हैं। आपके आरोपों का जवाब नहीं दे पाने पर चर्चा शुरूहो गई है.

गुजरात के 6000 अपात्र किसानों से 5.50 करोड़ की वसूली

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भरूच,प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के 6000 किसानों से प्रशासन ने 5.47 करोड़ की वसूली कर ली है। 383 लाभार्थी किसानों ने खुद को योजना से अपात्र बता कर 37.92 लाख रूपये पहले ही लौटा दिए हैं। गुजरात सरकार द्वारा लाभार्थी किसानों की आयकर विभाग के माध्यम से केवाईसी की जांच की जा रही है। आयकर विभाग के अनुसार जो आयकर दाता आयकर प्रदाता होते हुए भी सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। उनकी सूचना सरकार को दी गई थी। जिसके आधार पर किसान सम्मान निधि की वसूली के नोटिस जारी किए गए थे। गुजरात के भरूच जिले में 1.86 लाख किसान ने किसान सम्मान निधि के तहत पंजीकरण कराया था। इन्हें तीन किस्तों का भुगतान किया जा चुका था। सालाना 111 करोड रूपए का भुगतान केवल भरूच जिले के किसानों को हो रहा था। अब किसानों से वसूली की नोटिस जारी होने से किसानों में रोष है।

मुख्यमंत्री का राज्य सरकार के अधीन अहमदाबाद 81 तालाबों के विकास का ऐलान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने आज अहमदाबाद को लेकर बड़ी घोषणा की है। राज्य सरकार के अधीन अहमदाबाद शहर के 81 तालाबों का विकास किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर में राज्य सरकार के स्वामित्व वाले 81 तालाबों को तालाब विकास के जनहित विकास कार्यों के लिए अहमदाबाद महानगर पालिका को आवंटित करने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर पालिका की सीमा में स्थित सरकार के स्वामित्व वाले ऐसे तालाबों को मनपा को आवंटित कर व्यापक पैमाने पर शहरीजनों की सुख-सुविधा में वृद्धि करने वाले जनहित के विकास कार्यों का द्वार खोलने का दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया है। मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की ओर से जिन 81 तालाबों को महानगर पालिका को आवंटित करने का निर्णय किया है, उसमें मुख्य रूप से रामोल के 11 तालाब, वटवा के 10, वस्त्राल के 7, नारोल के 5, राणीप के 3, निकोल के 3, भाड़ज और हाथीजण के 2-2 तथा मोटेरा, चांदखेड़ा, लांभा, गोता, मेमनगर, लक्ष्मीपुरा और दाणीलिमड़ा के 1-1 तालाब का समावेश होता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल द्वारा इन तालाबों को महानगर पालिका को आवंटित करने

के बाद अब महानगर पालिका तालाबों के विकास के जरिए नागरिकों की सैरगाह के रूप में ,इन 81 तालाबों का विकास करेगी। अहमदाबाद महानगर पालिका इन तालाबों के चारों ओर पैदल पथ, पौधरोपण, बच्चों के खेलकूद का क्षेत्र, वरिष्ठ नागरिकों की बैठक, खेलकूद के उपकरण, तालाब के चारों ओर सुरक्षा दीवार, इन लेट, आउट लेट के चारों ओर स्टोन पिचिंग, पार्किंग क्षेत्र, पेवर ब्लॉक, फ्लोटिंग फाउंटेन और चारदीवारी बनाने जैसे कार्य करेगी। इतना ही नहीं, ये तालाब पूरे साल पानी से लबालब रहें और तालाबों का पानी पौधों को सींचने के लिए रियूज किया जा सके, इसके लिए मिनी सीवेज प्लांट और स्टॉर्म वाटर लाइन से भी तालाबों में पानी यथावत रखा जाएगा। परकोलेशन वैल के निर्माण से तालाबों का पानी संचय होने से भूजल स्तर भी ऊंचा उठेगा। इन तालाबों का विकास अहमदाबाद महानगर पालिका को राज्य सरकार की ओर से मिलने वाले 15वें वित्त आयोग के अनुदान, अमृत मिशन अनुदान और स्वर्णिम जयंती मुख्यमंत्री शहरी विकास योजना अनुदान आदि से किया जाएगा। राज्य सरकार ने अब तक अपने स्वामित्व वाले और अहमदाबाद महानगर पालिका की सीमा में स्थित 21 तालाब विकास के लिए महानगर पालिका को आवंटित किए हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अब राज्य सरकार के स्वामित्व वाले और एएमसी की सीमा में स्थित 81 और तालाबों को भी विकास के लिए महानगर पालिका को आवंटित करने का निर्णय किया है। कुल मिलाकर, राज्य सरकार ने अहमदाबाद महानगर पालिका को 102 तालाब विकसित करने के लिए आवंटित किए हैं। इसके परिणामस्वरूप अहमदाबाद महानगर में पर्यावरण संरक्षण के साथ नागरिकों की ईज ऑफ डूइंग यानी जीवन जीने की सुगमता में भी वृद्धि होगी।